संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 12
पृष्ठ 8
रविवार
27 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फैटी लिवर को कंट्रोल करने...

विचार- देवीलाल के लिए सत्ता का अर्थ...

खेल- 2027 वनडे वर्ल्ड कप मेरा आखरी...

अमित शाह ने शुरू की शी-मार्ट पहल, महिलाओं को बाजार से जोड़ने पर जोर, कहा

सहकारिता के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना केंद्र की प्राथमिकता

कोल्लम (केरल) (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरलम के कोल्लम में सहकारिता क्षेत्र और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी कई पहलों की शुरुआत की। इनमें शी-मार्ट पहल प्रमुख है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं को केवल ऋण लेने वाली नहीं, बल्कि अपना कारोबार चलाने वाली उद्यमी बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

शी-मार्ट को 2026-27 के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शी-मार्ट मिशन के तहत घोषित किया था। इसके जरिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े उद्यमियों को सीधे बाजार और ग्राहकों से जोड़ने की योजना है।

अमित शाह ने बताया कि एनसीसीएफ के 2,500 से अधिक रिटेल आउटलेट पर भारतीय ब्रांड और स्थानीय उत्पाद उपलब्ध कराने की योजना है। इसके अलावा केरलम, तमिलनाडु और कर्नाटक में 300 से अधिक शी-मार्ट स्टोर स्थापित किए जाने की बात कही गई है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के बनाए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचने का अवसर देना है।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसीएफ और नेफेड की मोबाइल वैन के जरिए केरलम के लोगों को सस्ती दरों पर प्याज, भारत आटा और भारत चावल उपलब्ध कराने की शुरुआत भी हुई। इसके अलावा

नेफेड कल्याण छात्रवृत्ति योजना के तहत दो किसान परिवारों की बेटियों को छात्रवृत्ति भी दी गई।

अमित शाह ने कहा कि केरलम में आजादी से पहले से ही सहकारिता की मजबूत व्यवस्था रही है। उन्होंने त्रावणकोर, कोचीन और मालाबार क्षेत्रों में सहकारी आंदोलन के पुराने इतिहास का उल्लेख किया। शाह के अनुसार, केरलम में 23 हजार से अधिक सहकारी समितियां काम कर रही हैं। उन्होंने राज्य से केंद्र की सहकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने की अपील की और डेयरी, बीज तथा जैविक कृषि के क्षेत्र में विशेष सहायता और मार्गदर्शन देने की बात कही।

नशे से नहीं, अवसरों से जुड़े बच्चों का भविष्य, पुनर्वास में शिक्षा, विश्वास और आत्मसम्मान को मिले प्राथमिकता : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

पटना (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि बच्चों और किशोरों

में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को केवल स्वास्थ्य समस्या मानकर नहीं छोड़ा जा सकता और इसे बाल संरक्षण का महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हुए उनके अंदर संवेदनशील तथा समग्र विकास की व्यवस्था विकसित करने के साथ शिक्षा, विश्वास और आत्मसम्मान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बिहार लोक भवन में आज स्पाटलिपुत्र प्रज्ञा प्रवाह के व्याख्यान में श्चाइल्डहुड बियॉन्ड ड्रग्स रू प्रोटेक्शन, केयर एंड रिइंटीग्रेशनश विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आए बच्चे को केवल उसकी समस्या या गलती के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उसके पीछे की परिस्थितियों को समझना और उसे सामान्य जीवन में लौटने का अवसर देना समाज और व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश ने हाल के एक लैंसेट अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि भारत में कम से कम हर पांच में से एक किशोर के नशे के मध्यम से उच्च जोखिम में होने की बात सामने आई है। यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा और उनके भविष्य को लेकर गंभीरता से विचार करने की जरूरत को रेखांकित करती है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून बनाने या कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रह सकती। बच्चों को नशे की ओर जाने से रोकने के लिए जागरूकता, शिक्षा, बेहतर पारिवारिक वातावरण और समय पर सहायता समान रूप से जरूरी है। समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि नशे की चपेट में आया कोई बच्चा अपने भविष्य से वंचित न हो।

मोदी ने जो किया, मानव इतिहास में कभी नहीं हुआ

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने दिल खोलकर की तारीफ

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भारत में ऊर्जा की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत में जितने लोगों तक एनर्जी की पहुंच बनी है, उतनी किसी भी दशक, क्षेत्र या देश में मानव इतिहास के दौरान नहीं हुई। अल्बनीज ने यह बात एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम में कही। उन्होंने

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत होते संबंधों का भी जिक्र किया। अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के भारत के साथ अच्छे संबंध हैं और पीएम मोदी ऐसे नेता हैं, जिनके साथ उनके देश ने करीबी रिश्ते विकसित किए हैं। एंथनी अल्बनीज की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव बना हुआ है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इसका असर कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों को ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ा है, जबकि भारत में सप्लाई काफी हद तक स्थिर बनी रही। इस दौरान ईंधन की कीमतों में भी सीमित बढ़ोतरी हुई। पीएम मोदी ने इस साल की शुरुआत में भारत की ऊर्जा स्थिति का जिक्र करते हुए कहा था कि अलग-अलग देशों से आयात बढ़ाने से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई है। मोदी ने मई में बजट सत्र के दौरान लोकसभा में बताया था कि भारत पहले 27 देशों से ऊर्जा का आयात करता था, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 41 हो गई है।

36 घंटे बाद मौसम सामान्य होने की संभावना, अतिवृष्टि पर सीएम योगी बोले

इस हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पिछले 48 घंटों से जारी भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने राहत एवं बचाव व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय रखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है।

राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने शनिवार को प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर परिस्थिति में आमजन की जान-माल की सुरक्षा जिलाधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राहत आयुक्त ने नेपाल में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में नदियों के जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। संबंधित जिलाधिकारियों

को नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने और बाढ़ राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखने के लिए कहा गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 36 घंटों के बाद प्रदेश में मौसम सामान्य होने की संभावना है। राहत आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। उन्होंने लोगों से प्रशासन और मौसम विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए राहत हेल्पलाइन 1070 पर संपर्क किया जा सकता है।

राहत आयुक्त ने बताया कि प्रदेश के 63 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे प्रदेश में सामान्य से 19 गुना अधिक वर्षा हुई। फर्रुखाबाद में सामान्य से 200 गुना, कानपुर नगर में 160 गुना, कन्नौज, कानपुर देहात और हरदोई में सामान्य से 130 गुना अधिक वर्षा दर्ज की गई है। भदोही, देवरिया और अलीगढ़ में सामान्य वर्षा हुई, जबकि गाजीपुर में सबसे कम बारिश दर्ज की गई। वहीं बागपत, गाजियाबाद, मथुरा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में वर्षा नहीं हुई। पिछले 48 घंटों में अतिवृष्टि और आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में 117 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है।

यूपी में दीवार ढहने की अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत, बारिश ने मचाई तबाही

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, अमेठी और बाराबंकी जिलों में दीवार ढह जाने की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी तथा पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गयी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लखीमपुर खीरी जिले में नीमगांव थानाक्षेत्र के रहमत नगर गांव में शनिवार तड़के एक कच्चे मकान की मिट्टी की दीवार ढहने से उसके मलबे में दबकर

एक ही परिवार के तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुलिस के मुताबिक अमेठी में जामोंथाना क्षेत्र के बलभद्रपुर गांव में रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते शनिवार सुबह एक कच्चे मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर एक महिला की मृत्यु हो गई। लखीमपुर खीरी जिले के नीमगांव थाने के प्रभारी प्रवीण गौतम ने बताया कि मृतकों की पहचान मोहन कश्यप (50), उसकी पत्नी कविता (45) और बेटा अनिल (6) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना के समय परिवार के लोग अपनी घर में सो रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की मदद से मलबे से शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। इस मामले में विधिक कार्यवाही चल रही है। इस बीच, अमेठी के जामों थाने के प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह ऊषा देवी (32) अपने घर के पीछे कच्ची पुरानी दीवार के बगल में बंधी भैंस खोलने अपने पति रामकुमार पासी के साथ गई थी। उन्होंने कहा कि अचानक दीवार गिरने से ऊषा देवी मलबे में दब गई जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। इसी तरह, बाराबंकी के थाना रामनगर क्षेत्र के गोपालपुर में बीती रात घर की कच्ची दीवार ढहने से उसमें दबकर 38 वर्षीय सुनीता देवी की मृत्यु हो गई। सुनीता के तीन बच्चे रवि (17), आकाश (13) और प्रियंका (9) हैं। थाना प्रभारी अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की जयंती, प्रधानमंत्री ने किया नमन, खरगे बोले

आर्थिक सुधारों ने बदली भारत की तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने याद किया । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्होंने एक दूरदर्शी राजनेता बताया, जिनके अहम आर्थिक सुधारों ने भारत की तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, श्हमारे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कई साल बिताए और पूरी निष्ठा के साथ देश की सेवा की। वहीं, मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, शविनम्रता, ईमानदारी और समझदारी मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व की पहचान थी।

एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग की बैठक, ज्ञानेश कुमार के साथ दोनों आयुक्त मौजूद

फॉर्म-6 डिक्लेरेशन को बताया सही

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग को लेकर चल रहे विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की बैठक हुई है। इसी बीच चुनाव आयोग ने कई मुद्दों पर अपना पक्ष साफ किया है। आयोग ने कहा है कि कैबिनेट सचिव को भेजा गया पत्र आयोग की किसी नीति या आईटी विभाग से जुड़ा मामला नहीं था, बल्कि आयोग में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के बीच कुछ फैसलों को लेकर मतभेद की बात सामने आई थी। दोनों चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में कई फैसलों पर आपत्तियां दर्ज की थीं।

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

PRESS
स्वतंत्र • निष्पक्ष • विश्वसनीय

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

YouTube: youtube.com/@shaharsamtanews
Website: www.shaharsamta.com

स्थापित: 2001 | हिन्दी दैनिक RNI No.: UPHIN/2004/22466 | हिन्दी साप्ताहिक RNI No.: UPHIN/2001/03996 | पंजीकृत कार्यालय: 289/238 A, कर्नलगंज, प्रयागराज | संपर्क: 9005239332 • 9450482227

पुराने यमुनापुल पर संदिग्ध हालत में मिली बाइक, युवक के नदी में छलांग लगाने की आशंका

प्रयागराज। पुराने यमुना पुल पर शनिवार सुबह एक बाइक संदिग्ध हालत में खड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। बाइक अतरसुइया निवासी तुषार की बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने यमुना नदी में छलांग लगा दी है। पुराने

यमुना पुल पर शनिवार सुबह एक बाइक संदिग्ध हालत में खड़ी मिलने से हड़कंप मच गया। बाइक अतरसुइया निवासी तुषार की बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने यमुना नदी में छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही जल पुलिस और कीडगंज पुलिस मौके पर पहुंची और नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। पुलिस के मुताबिक पुराने यमुनापुल पर बाइक लावारिस हालत में खड़ी होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने बाइक के संबंध में जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह अतरसुइया निवासी तुषार की है। फिलहाल युवक का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

धान के खेत में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र में शनिवार को धान के खेत में करीब 50 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। नहर की बाही के पास मिले शव के मुंह और नाक पर खून के निशान थे और पूरा शरीर कीचड़ से सना था। संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने पर हत्या की आशंका

जताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर महिला की पहचान कराने का प्रयास शुरू कर दिया है।

उतरांव थाना क्षेत्र के दरियापट्टी बसगीत गांव में शनिवार को नहर की बाही के पास धान के खेत में करीब 50 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने पर ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी। शनिवार को एक किसान धान की फसल देखने के लिए खेत की ओर गया था। इसी दौरान उसकी नजर खेत में पड़े महिला के शव पर पड़ी। शव देखकर किसान ने शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डायल–112 की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद उतरांव के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार वर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

महिला की उम्र करीब 50 वर्ष बताई जा रही है। उसने हरे रंग की साड़ी, गुलाबी रंग का पेटीकोट और आसमानी रंग का ब्लाउज पहन रखा था। उसके सिर में सिंदूर लगा था। बाएं पैर में काला धागा, दोनों हाथों में चूड़ियां, कानों में बालियां और दोनों पैरों में बिछिया थी। शव के पास एक बोतल भी पड़ी मिली। महिला का पूरा शरीर कीचड़ से सना था। उसके मुंह और नाक से खून निकलने के निशान भी दिखाई दिए।

घटनास्थल राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब 300 मीटर दूर नहर की बाही के पास स्थित धान का खेत है। शव की स्थिति और परिस्थितियों को देखते हुए मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

नियमित जांच व उचित प्रक्रिया अपनाए बिना सेवा समाप्ति अवैध, पेंशन समेत सभी सेवा लाभ देने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलत सूची के आधार पर सीजनल कलेक्शन अमीन मोहम्मद सुहैल की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बिना नियमित जांच और उचित प्रक्रिया अपनाए सेवा समाप्त करना अवैध है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलत सूची के आधार पर सीजनल कलेक्शन अमीन मोहम्मद सुहैल की सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बिना नियमित जांच और उचित प्रक्रिया अपनाए सेवा समाप्त करना अवैध है। अदालत ने याची के परिवार को

पेंशन और पारिवारिक पेंशन समेत सभी परिणामी सेवा लाभ तीन माह में देने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकलपीठ ने मोहम्मद सुहैल की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। प्रयागराज निवासी याची मोहम्मद सुहैल को 1994 में सीजनल कलेक्शन अमीन नियुक्त किया गया था। 1999 में उन्हें स्थायी पद पर नियुक्ति दी गई। हालांकि, प्रशासन ने बाद में पाया कि नियुक्ति में वरिष्ठता सूची के बजाय वसूली की सूची का इस्तेमाल किया गया था। इसके आधार पर 20 नवंबर 1999 को उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। याची ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा कि नियुक्ति स्थायी पद के विरुद्ध थी, इसलिए सेवा समाप्ति के लिए 1975 की नियमावली लागू नहीं होती थी। कोर्ट ने बर्खास्तगी आदेश रद्द करते हुए तीन माह में सभी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया। याची की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी रुबीना हाशमी मुकदमे में प्रतिस्थापित हुई थीं।

हाईकोर्ट ने यमुना एक्सप्रेसवे हादसे का लिया संज्ञान, कहा- स्लीपर बसों की रात में की जाए जांच

प्रयागराज। यमुना एक्सप्रेसवे पर बस में आग लगने से नौ यात्रियों की मौत के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने रात में बसों की विशेष जांच के साथ सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले चालक, परिचालक और लाइसेंसधारक के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यमुना एक्सप्रेसवे पर बस में आग लगने से नौ यात्रियों की मौत मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने अधिकारियों को बसों की नियमित जांच तेज करने और विशेष रूप से रात में निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाली बसों के चालक और परिचालक के साथ ही लाइसेंसधारक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तलब कर घटना

और उसके बाद की गई कार्रवाई की जानकारी ली। कोर्ट ने ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (एआईएस) का भी उल्लेख किया। इसके अनुसार स्लीपर बसों में चालक के केबिन और यात्रियों के हिस्से के बीच विभाजन, बस की ऊंचाई, आपातकालीन निकास द्वारों की संख्या और गलियारे के आकार से संबंधित तकनीकी मानकों का पालन किया जाना चाहिए।

गड़बड़ी पाए जाने पर करें सख्त कार्रवाई

स्वचालित आग बुझाने की व्यवस्था और यात्रियों के केबिन में आग पर काबू पाने के लिए उपयुक्त प्रणाली का भी प्रावधान होना चाहिए। चालक की नींद का पता लगाने वाली प्रणाली का उल्लेख भी मानकों में किया गया है। कोर्ट ने कहा यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों को चालक, परिचालक और बस के लाइसेंसधारक के खिलाफ उचित कार्रवाई करनी होगी।

मुख्य सचिव ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि वह मामले को व्यक्तिगत रूप से देखेंगे। बसों की संयुक्त जांच कराई जाएगी और रात में विशेष निरीक्षण किया जाएगा। हाईकोर्ट ने संबंधित विभाग को हलफनामा दाखिल कर पिछले तीन वर्षों में प्रदेश से स्लीपर बसों को जारी किए गए परमिटों की संख्या बताने का निर्देश दिया है। अन्य कई जानकारी भी कोर्ट ने मांगी है। अगली सुनवाई 13 अक्तूबर 2026 को होगी। उस दिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

चक्रवात का असर: 24 घंटे में गिरा 10 डिग्री तापमान

प्रयागराज। चक्रवाती तूफान के असर से प्रयागराज में शनिवार को सुबह से ही मौसम पूरी तरह बदला रहा। बारिश और तेज ठंडी हवाओं से पारा तेजी से नीचे आया और दिनभर बादल छाए रहे। मौसम विभाग ने 26 और 27 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जताई है। लगातार बारिश और ठंडी हवा से एसी–कूलर बंद हो गए और लोगों को चादरें निकालनी पड़ीं।

पश्चिम बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान का असर शुक्रवार के बाद शनिवार को भी दिखा। लगातार तीसरे दिन शहर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश का दौर जारी रहा। मौसम ऐसा बदला कि लोगों को चादरें निकालने को मजबूर होना पड़ा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में महज एक डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को भी भारी बारिश के आसार हैं। चक्रवात का असर जिले में पूरी तरह प्रभावी रहेगा। तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला जारी रहने की पूरी संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड

पर आ गया है। प्रशासन की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया है। प्रशासन ने नागरिकों को एहतियात बरतने की सलाह दी है। अपील की है कि वे अनावश्यक यात्राओं से बचें तथा खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे बिल्कुल न रहें, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

उधर, पिछले दो दिनों से चल रही तेज ठंडी हवाओं और लगातार रिमझिम फुहारों के कारण प्रयागराज के अधिकतम तापमान में सीधे 10 डिग्री सेल्सियस की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान लुढ़क कर 25.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तापमान में आई इस अचानक और भारी गिरावट ने गर्मी से पूरी तरह राहत दिला दी है। हालात यह हो गए हैं कि लोगों के घरों में दौड़ रहे एसी और कूलर थम गए हैं और अलमारियों से चादरें व हल्के गर्म कपड़े बाहर निकल आए हैं। स्थिति यह है कि रात में लोगों को पंखे तक बंद करने पड़े।

जब्त वाहन से छापा मारने पर हाईकोर्ट हैरान, डीजीपी को पुलिस जांच का आदेश दिए

प्रयागराज। जिस वाहन को पुलिस ने आबकारी मामले में जब्त किया था, उसी को थाने से बाहर निकालकर वांछित आरोपी की तलाश में इस्तेमाल किया गया। तीन दिन बाद वाहन हादसे का शिकार हो गया और एक महिला की मौत हो गई। मामले में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठने के बाद हाईकोर्ट ने डीजीपी को स्वतंत्र और गोपनीय जांच के आदेश दिए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आबकारी मामले में जब्त वाहन से छापा मारने पर हैरानी जताते हुए डीजीपी को पुलिस के खिलाफ स्वतंत्र और गोपनीय जांच का आदेश दिया है। जांच रिपोर्ट आठ हफ्ते में दाखिल करना होगा। जब्त वाहन हादसे का शिकार हो गया था। इसमें एक महिला की जान चली गई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार की एकल पीठ ने राहुल उर्फ धर्मदेव की याचिका पर दिया है।

मामला बुलंदशहर के रामघाट थाना क्षेत्र का है। याची पर 19 पेटी देशी शराब ले जाने का आरोप था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद वाहन जब्त कर लिया गया। आबकारी अधिनियम की धारा 72 के तहत उसकी कुर्की की कार्रवाई शुरू हुई। जिला मजिस्ट्रेट ने बाद में वाहन को कुर्क करते हुए उसका बाजार मूल्य 6.45 लाख रुपये आंका था। याची ने इस आदेश को अपीलीय अदालत में चुनौती दी, लेकिन वहां भी उसे राहत नहीं मिली। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

चार जून को थाने से निकला, सात जून को हुआ हादसा

सुनवाई के दौरान सामने आया कि जब्त वाहन को चार जून 2021 को रामघाट थाने से

बाहर निकाला गया था। राज्य की ओर से बताया गया कि तत्कालीन हेड मुहर्रिर सीताराम ने दो सिपाहियों पंकज राणा और नरेंद्र सिंह को वांछित आरोपी की तलाश के लिए वाहन दिया था।

दावा किया गया कि यह तत्कालीन थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह की जानकारी के बिना हुआ। तीन दिन बाद वाहन मथुरा के राया थाना क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गया।

हादसे में मनोज कुमार के माता–पिता गंभीर रूप से घायल हुए। बाद में उनकी मां की मौत हो गई। मामले में एफआईआर दर्ज हुई और वाहन फिर जब्त कर लिया गया।

राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि हेड मुहर्रिर और दोनों सिपाहियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई कर सेवा अभिलेख में निंदा प्रविष्टि की गई थी। हालांकि, कोर्ट ने प्रथम दृष्टया इसे पर्याप्त नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि यदि जब्त वाहन को बिना वैध अधिकार के बाहर निकाला गया था तो यह केवल प्रक्रिया संबंधी चूक नहीं, बल्कि सौंपी गई हिरासत के गंभीर उल्लंघन का मामला हो सकता है। लिहाजा, डीजीपी मामले की स्वतंत्र और गोपनीय जांच करवाए।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि डीजीपी की जांच में यह भी देखा जाएगा कि वाहन को थाने से कैसे निकाला गया, संबंधित पुलिसकर्मियों और तत्कालीन थाना प्रभारी की क्या भूमिका थी, तत्कालीन एसएसपी की भूमिका क्या रही तथा विभागीय कार्रवाई निष्पक्ष और पर्याप्त थी या नहीं। यह भी जांच होगी कि घटनाक्रम से किसी आपराधिक अपराध का प्रथम दृष्टया पता चलता है या नहीं।

आईटीआई में आउटसोर्सिंग से फोरमैन अनुदेशक भर्ती पर रोक, कोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में आउटसोर्सिंग से फोरमैन अनुदेशक के पद भरने के शासनादेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में आउटसोर्सिंग से फोरमैन अनुदेशक के पद भरने के शासनादेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी शासनादेश वैधानिक सेवा नियमावली का उल्लंघन नहीं कर सकता।

पीएनबी में नौकरी का अनुभव सरकारी कार्यालय का अनुभव नहीं, अभ्यर्थी की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में नौकरी का अनुभव किसी भर्ती विज्ञापन में निर्धारित सरकारी कार्यालय के अनुभव के बराबर नहीं माना जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में नौकरी का अनुभव किसी भर्ती विज्ञापन में निर्धारित सरकारी कार्यालय के अनुभव के बराबर नहीं माना जा सकता। क्योंकि केवल इस आधार पर कि कोई संस्था संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य की परिभाषा में आती है उसे सरकारी कार्यालय नहीं माना जा सकता। यह टिप्पणी संग न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने याची सत्य प्रकाश की ओर से उच्च शिक्षा विभाग में रजिस्ट्रार पद के लिए उम्मीदवारी खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर की है। कोर्ट ने 11 सितंबर को उनकी उम्मीदवारी खारिज करने वाली अधिसूचना में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। मामले में 17 अक्तूबर 2024 को जारी भर्ती विज्ञापन में रजिस्ट्रार पद के लिए विश्वविद्यालय, सरकारी कार्यालय या उच्च शिक्षा संस्थान में प्रशासनिक एवं पर्यवेक्षण स्तर पर 15 वर्ष का अनुभव अथवा कॉलेज या विश्वविद्यालय में 15 वर्ष का शिक्षण अनुभव निर्धारित किया गया था। याची के पास 18 वर्ष से अधिक का कार्य अनुभव था। उनका दावा था कि पीएनबी संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत राज्य है, इसलिए बैंक में प्राप्त अनुभव को सरकारी कार्यालय का अनुभव माना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी दलील दी कि राष्ट्रीयकृत बैंक के कर्मचारी कानून की नजर में लोक सेवक हैं और विज्ञापन में सरकारी कार्यालय की स्पष्ट परिभाषा भी नहीं दी गई है। कोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 12 में किसी संस्था का राज्य की श्रेणी में आना और किसी कानून के तहत उसके कर्मचारियों का लोक सेवक होना अलग–अलग कानूनी अवधारणाएं हैं। इन्हें भर्ती विज्ञापन में इस्तेमाल किए गए सरकारी कार्यालय शब्द का समानार्थी नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची की ओर से ऐसा कोई आधार सामने नहीं रखा गया जिससे पीएनबी को सरकारी कार्यालय माना जा सके या उसके कर्मचारियों को संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत संरक्षण प्राप्त होने की बात साबित हो।

27 सितंबर को पदोन्नति परीक्षा में शामिल हो सकेंगे न्यायिक अधिकारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा में पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक न्यायिक अधिकारियों को अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि चार जुलाई 2025 तक पांच साल की अर्हता सेवा पूरी करने वाले याचियों को 27 सितंबर को होने वाली परीक्षा में शामिल होने दिया जाए। हालांकि, परीक्षा में शामिल होने मात्र से अभ्यर्थियों के पक्ष में कोई अधिकार उत्पन्न नहीं होगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने आशुतोष तिवारी और 39 अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचियों का कहना था कि चार जुलाई 2025 को नियमों में संशोधन के समय वे पांच साल की अर्हता सेवा पूरी कर चुके थे। इसके बावजूद 31 दिसंबर 2024 की कटऑफ डेट निर्धारित किए जाने से वे पदोन्नति परीक्षा में शामिल होने के लिए अयोग्य हो गए। उनका तर्क था कि संशोधित नियम लागू होने से पहले की तारीख से अर्हता सेवा की गणना करना उचित नहीं है। वहीं, हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से दलील दी गई कि भर्ती प्रक्रिया के लिए कटऑफ डेट निर्धारित करने का निर्णय प्रशासनिक स्तर पर लिया गया था। इसे बदलने से पहले से चल रही प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। परीक्षा 27 सितंबर को प्रस्तावित है। खंडपीठ ने कहा कि मामले में कानून के जटिल प्रश्न शामिल हैं। ऐसे में अंतिम निर्णय से पहले अंतरिम व्यवस्था के तहत पात्र याचियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाती है। अगली सुनवाई नौ अक्तूबर को होगी।

अध्यक्ष पद पर अंत तक रही कांटे की टक्कर, अंतिम चरण तक बना रहा रोमांच

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर इस बार कांटे की टक्कर देखने को मिली। डॉ. सीपी उपाध्याय और पीसी श्रीवास्तव के बीच मुकाबला अंत तक बहुत ही कम मतों के अंतर अंत का रहा। दोनों प्रत्याशियों के बीच मतों का अंतर 10 से 50 के आसपास बना रहा। इससे मतगणना के अंतिम दौर तक समर्थकों की धड़कनें बढ़ती–घटती रहीं। लाइब्रेरी हॉल में मतगणना के दौरान दोनों प्रत्याशियों के समर्थक अपने–अपने उम्मीदवार के पक्ष में वोट मिलने पर तालियां बजाकर खुशी जाहिर कर रहे थे। जैसे–जैसे मतगणना आगे बढ़ रही थी, वैसे–वैसे चुनाव का रोमांच भी बढ़ता जा रहा था। अंतिम चरण में जब करीब 200 वोटों की गिनती बाकी थी, उस समय पीसी श्रीवास्तव लगभग 70 वोटों से पीछे चल रहे थे। इसके बावजूद उनके समर्थकों को उम्मीद थी कि परिणाम पलट सकता है। पीसी श्रीवास्तव के पक्ष में एक भी वोट आने पर समर्थक उत्साह से झूम उठते थे, वहीं सीपी उपाध्याय को वोट मिलने पर लाइब्रेरी हॉल तालियों से गूंज उठता था। मतगणना के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब लगातार अशोक सिंह के पक्ष में वोट मिलने लगे। इससे सीपी उपाध्याय के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। इसकी वजह यह थी कि वे चाहते थे कि वोट अशोक सिंह के खाते में जाएं लेकिन पीसी श्रीवास्तव को न मिलें। हालांकि, अंततः डॉ. सीपी उपाध्याय ने पीसी श्रीवास्तव को 74 मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। सीपी उपाध्याय ने दूसरी बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा था। पिछले चुनाव में भी वह दूसरे स्थान पर रहे थे। उस समय वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पांडेय बबुआ ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की थी। महासचिव पद पर संतोष मिश्रा ने जीत दर्ज की। मतगणना में जब संतोष मिश्रा ने एक बार बढ़त बनायी तो उनकी यह बढ़त अंतिम चरण तक बरकरार रही। अध्यक्ष पद के विपरीत महासचिव पद के चुनाव में शुरुआत से ही संतोष मिश्रा की स्थिति मजबूत बनी रही। अध्यक्ष पद पर डॉ. सीपी उपाध्याय और महासचिव पद पर संतोष मिश्रा के निर्वाचित होने पर विभिन्न अधिवक्ता संगठनों ने बधाई दी है। बुंदेलखंड अधिवक्ता महासंघ ने शुक्रवार शाम महासंघ के अध्यक्ष अशोक गुप्ता के कालिंदीपुरम स्थित आवास पर आरपी तिवारी की अध्यक्षता में बैठक की। इसमें महासंघ के संरक्षक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एनसी त्रिपाठी, महासचिव जगदीश सिंह बुंदेला, जितेंद्र कुमार मिश्र, राजीव द्विवेदी, चंद्र प्रकाश अवस्थी, जय सिंह परिहार बधाई दी। वहीं, कैट बार एसोसिएशन की ओर से पूर्व महासचिव जितेंद्र नायक, रवींद्र सिंह, सुशील दुबे आदि ने बधाई दी। वहीं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष राकेश पांडेय बबुआ व संयुक्त सचिव प्रेस आरडी पांडेय ने भी ने भी बधाई दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष और पूर्व संयुक्त सचिव (प्रेस) राहुल पांडेय का शुक्रवार को न्यायविद हनुमान मंदिर के पास निधन हो गया। अधिवक्ताओं ने बताया कि वह बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सीपी उपाध्याय के साथ हाईकोर्ट परिसर स्थित हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए थे। इसी दौरान वह अचानक अचेत होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल एसआरएन अस्पताल ले जाया गया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

संक्षिप्त

बारिश के बीच कच्चा मकान गिरा, पिता-बेटा-बेटी मलबे में दबे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में बारिश के चलते एक कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के दौरान घर के अंदर परिवार के साथ मौजूद पिता मलबे में दब गया। पिता, बेटा और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला और मलिहाबाद सीएचसी पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के चौना गांव में शनिवार दोपहर करीब 1 बजे किसान सुरेश (50) अपने बेटे रजनेश और बेटी सलोनी (18) के साथ कच्चे मकान में बैठे थे। इसी दौरान अचानक मकान भरभराकर गिर गया। मलबे में दबने से तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए मलबा हटाने का काम शुरू किया और तीनों को बाहर निकाला। घटना की जानकारी पुलिस और प्रशासन को भी दी गई। ग्रामीणों की मदद से तीनों घायलों को पुलिस की गाड़ी से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने तीनों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर तहसील प्रशासन से कानूनगो और क्षेत्रीय लेखपाल भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों से हादसे की जानकारी ली।

लगातार बारिश से जल निकासी ठप, घरों में भरा पानी

लखनऊ (संवाददाता)। शुक्रवार से जारी बारिश के बीच शनिवार को कई इलाकों में पानी भर गया। रहीमाबाद स्थित चांदपुर गांव में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जल निकासी की सही व्यवस्था न होने से बरसात का पानी दर्जनों घरों में घुस गया है। प्यारेलाल, अमृतलाल, टुनटुन, संदीप, प्रदीप, गोविंद, पुष्पा, मुंशीलाल और अनीता सहित कई लोगों के घरों में पानी भर गया है। इससे गांव वाले काफी परेशान हैं और ठंड का एहसास भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के नाले साफ नहीं हैं और उन पर अतिक्रमण भी हो गया है। इस वजह से पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है। घरों में दूषित पानी जमा होने से मकानों के अचानक गिरने का डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या को दूर करने की मांग की है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

ई-रिक्शा चालक ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में ई-रिक्शा चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक साल पहले उसकी शादी हुई थी। ससुरालवालों से विवाद के बाद युवक ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मड़ियांव में सेमरागौढी निवासी अभिषेक गोस्वामी (22) ई-रिक्शा चलाता था। भाई हिमांशु ने बताया कि शुक्रवार रात काम से लौटा। घर में खाना पीना खाकर अपने कमरे में चला गया। काफी देर बाहर नहीं आया तो परिवार देखने गया। जहां कमरे में फंदे के सहारे लटका मिला। फंदे से लटका देख आनन फानन में उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अभिषेक की एक साल पहले कम्मो से शादी हुई थी। शादी के बाद थोड़ा बहुत झगड़ा होता था। शुक्रवार को किसी बात को लेकर साले आर्यन से विवाद हुआ था। इसके बाद आत्महत्या कर ली। वहीं मामले में पुलिस का कहना है शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। शिकायत और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

मंडी निदेशक ने दुबग्गा मंडी का औचक निरीक्षण किया,कराई नालियों की सफाई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में लगातार हो रही बारिश के बीच मंडी निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को दुबग्गा मंडी का औचक निरीक्षण किया। मंडी परिसर के कुछ हिस्सों में जलभराव मिलने पर उन्होंने मौके पर ही जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराई। अपनी मौजूदगी में नालियों की सफाई कराई, जिसके बाद पानी की निकासी शुरू हो गई। निरीक्षण के दौरान मंडी निदेशक ने नालियों और जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया। कुछ जगह नालियों की सफाई ठीक नहीं मिली। इस पर उन्होंने मंडी सचिव को फटकार लगाई और तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश को देखते हुए मंडी परिसर में जलभराव की स्थिति नहीं बननी चाहिए।

जहां पानी जमा होने की आशंका है, वहां पहले से जरूरी इंतजाम किए जाएं। नालियों में कूड़ा और सिल्ट जमा न होने देने के साथ बारिश के दौरान पर्याप्त सफाई कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने को भी कहा। उन्होंने मंडी सचिव को चेतावनी दी कि सफाई और जल निकासी व्यवस्था में दोबारा लापरवाही मिली तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

शहीद भगत सिंह जयंती पर 30 सितंबर को लखनऊ में होगा विशेष कार्यक्रम

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय सिख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार जसवीर सिंह विर्क द्वारा आज यूपी प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल आयोजित होने वाला विशेष कार्यक्रम इस बार राजधानी लखनऊ में 30 सितंबर 2026 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हाल में आयोजित किया जाएगा।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यार्ड रिमॉडलिंग एवं नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण एवं आंशिक निरस्तीकरण किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या एवं कहाँ से कहाँ तक	यात्रा के दिन	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै	बुधवार	30.09.26, 07.10.26 एवं 14.10.26
01926 मदुरै-कानपुर सेंट्रल	शनिवार	03.10.26, 10.10.26 एवं 17.10.26
04149 प्रयागराज-यशवंतपुर	बुधवार	30.09.26, 07.10.26 एवं 14.10.26
04150 यशवंतपुर-प्रयागराज	शनिवार	03.10.26, 10.10.26 एवं 17.10.26

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या एवं कहाँ से कहाँ तक	स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्तीकरण	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
01905 कानपुर सेंट्रल-असारवा	उदयपुर सिटी-असारवा	28.09.2026 एवं 05.10.2026
01906 असारवा-कानपुर सेंट्रल	असारवा-उदयपुर सिटी	29.09.2026 एवं 06.10.2026

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2201/26(D)

मातृत्व शक्ति के साथ उत्कृष्ट आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का हुआ सम्मान

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिला स्तर पर समारोह, छह गर्भवती महिलाओं की कराई गोदभराई

मथुरा। 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत बाल विकास विभाग की ओर से 'आंगन मिलन सेवा' समारोह के तहत मातृत्व शक्ति एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री-सहायिका सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम में जनपद के सभी विकासखंडों से चयनित उत्कृष्ट आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सांसद तेजवीर सिंह, विधान परिषद सदस्य ठा. ओम प्रकाश सिंह, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, महिला मोर्चा की जिला मंत्री पूजा चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी डा. पूजा गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी राधावल्लभ, जिला कार्यक्रम अधिकारी योगेंद्र सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी मथुरा शहर अशोक कुमार सिंह तथा मथुरा ग्रामीण की सीडीपीओ शशि मौजूद रहीं।

प्रत्येक बाल विकास परियोजना स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली एक-एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका का चयन किया गया। जिला स्तरीय समारोह में चयनित कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सभागार में छह गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी कराई। इसी क्रम में राया, नौहझील, चौमुहां, नंदगांव, छाता, फरह, मांट और बल्देव विकासखंडों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रमों के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के योगदान को सम्मानित करने के साथ मातृ एवं बाल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

विराट गणपति महोत्सव करेलाबाग कालोनी का 26वां वर्ष धूमधाम से सपन्न

प्रख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा गणपति महोत्सव में हुए सम्मानित

प्रयागराज। श्री गणपति जी सदा सहाय फाउंडेशन करेलाबाग कालोनी प्रयागराज द्वारा गणपति महोत्सव का 26 वें वर्ष का आयोजन 14 सितंबर दिन शुक्रवार से 25 सितंबर दिन शुक्रवार तक दिव्य यज्ञ, हवन, आरती, पूजा, वंदना, गणपति जन्म, शिवनृत्य नाटिका इत्यादि द्वारा धूमधाम से मनाया गया। भगवान गणपति जी की विराट मूर्ति स्थापना 11 वैदिक ब्राह्मण द्वारा वैदिक विधि विधान से किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष अखिलेश सहाय शास्त्री एवं कार्यक्रम संयोजिका प्रीति सहाय के नेतृत्व में भगवान गणपति जी को 1011लड्डू एवं अतिप्रिय 1011 मोदक का भोग लगाया गया। अंतिम दिन यज्ञ हवन द्वारा गणपति पूजा संपन्न कराने वाले पूजा विधि-विधान व शास्त्रों के विद्वान पंडित उदित त्रिपाठी, पंडित अनुराग तिवारी, पंडित तरुण पांडे, पंडित हर्ष मिश्रा, पंडित प्रेम सागर ,पंडित जयप्रकाश एवं विश्वविख्यात अंतर्राष्ट्रीय कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश को पुष्पहार, अंगवस्त्र, शिव पट्टिका, गणपतिपुस्तिका, मिष्ठान आदि से मंच पर श्री गणपति सहाय सदा फाउंडेशन के ओजस्वी अध्यक्ष अखिलेश सहाय शास्त्री द्वारा भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापन किया जिनके अथक परिश्रम से यह भव्य आयोजन संपन्न हुआ तथा सभी भक्तजनों का आभार व्यक्त किया कि बड़ी संख्यां में भक्तजनों ने पंडाल में एकत्र हो भक्ति भाव से अपने जीवन में आध्यात्मिक ज्योति जलाई।

भारी बारिश के बीच राहत-बचाव जारी, नेपाल सीमा से सटे जिलों में विशेष निगरानी

63 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश के बीच राहत-बचाव तेज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पिछले 48 घंटों से जारी भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते योगी सरकार ने राहत एवं बचाव व्यवस्था को पूरी तरह सक्रिय रखा है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रहा है। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने शनिवार को प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर समस्याओं का त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर परिस्थिति में आमजन की जान-माल की सुरक्षा जिलाधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। नेपाल में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में नदियों के जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। जिलाधिकारियों को नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने और बाढ़ राहत एवं बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखने के लिए कहा गया है।भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 36 घंटों के बाद प्रदेश में मौसम सामान्य होने की संभावना है। राहत आयुक्त ने आमजन से अपील की है कि अत्यंत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। उन्होंने लोगों से प्रशासन और मौसम विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता के लिए राहत हेल्पलाइन 1070 पर संपर्क किया जा सकता है प्रदेश के 63 जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे प्रदेश में सामान्य से 19 गुना अधिक वर्षा हुई। फर्रुखाबाद में सामान्य से 200 गुना, कानपुर नगर में 160 गुना, कन्नौज, कानपुर देहात और हरदोई में सामान्य से 130 गुना अधिक वर्षा दर्ज की गई है। भदोही, देवरिया और अलीगढ़ में सामान्य वर्षा हुई, जबकि गाजीपुर में सबसे कम बारिश दर्ज की गई। वहीं बागपत, गाजियाबाद, मथुरा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, गौतमबुद्धनगर और हापुड़ में वर्षा नहीं हुई।पिछले 48 घंटों में अतिवृष्टि और आंधी-तूफान के कारण प्रदेश में 117 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। जिलाधिकारियों को प्रभावित परिवारों को पूरी संवेदनशीलता के साथ अनुमन्य सहायता राशि तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश हैं। भारी बारिश से क्षति का तत्काल सर्वेक्षण, आकलन कराने और प्रभावित लोगों को राहत सहायता शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा है। जिलाधिकारियों को निर्दे है कि आवश्यकता के अनुसार फायर सर्विस, पीएसी, सिविल डिफेंस, होमगार्ड और आपदा मित्रों की सेवाएं ली जाएं। जिलाधिकारियों को स्वयं फील्ड में रहकर स्थिति का लगातार आकलन करने और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार त्वरित निर्णय लेने के निर्देश दिए गए हैं। लेखपालों और ग्राम विकास अधिकारियों के माध्यम से कच्चे मकानों के आस-पास जलभराव की स्थिति का तत्काल संज्ञान लेने के निर्देश हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था के साथ कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर ऐसे परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश हैं।

एसूस का 'बियॉन्ड इनक्रेडिबल विद एसूस' कम्युनिटी इवेंट लखनऊ में, गेमिंग और क्रिएटर एक्सपीरियंस की नई टेक्नोलॉजी हुई पेश

लखनऊ (संवाददाता)। ताइवान की टेक्नोलॉजी कंपनी, एसूस ने अपनी 2026 कम्युनिटी इवेंट सीरीज 'बियॉन्ड इनक्रेडिबल विद एसूस' का लखनऊ एडिशन आयोजित किया। इस इवेंट में ख्ग, क्रिएटर्स, गेमर्स, टेक्नोलॉजी एंथूजियास्ट्स और एसूस के फैंस शामिल हुए। गोमती नगर, लखनऊ के टिक्ल्ड पिंक में हुए इस इवेंट में इनोवेशन, क्रिएटिविटी और नई पीढ़ी की कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजी पर फोकस किया गया। लोगों को एसूस के लेटेस्ट प्रोडक्ट्स को करीब से देखने और उन्हें इस्तेमाल करके देखने का मौका भी मिला।एसूस की कम्युनिटी एंगेजमेंट पहल के तहत आयोजित इस इवेंट में कंपनी के लेटेस्ट गेमिंग, क्रिएटर और प्रीमियम कम्प्यूटिंग प्रोडक्ट्स पेश किए गए। इसमें जेनबुक, वीवोबुक, प्रोआर्ट, आरओजी और टीयूएफ गेमिंग सीरीज के प्रोडक्ट्स के हैंड्स-ऑन डेमो दिए गए।

आपस के संवाद

उलझाओ मत बात को, रखो हमेशा याद।
रिश्तों को जिंदा रखे, आपस के संवाद।
आपस के संवाद, भोर की किरणें बनकर।
बने सुहानी शाम, अहं को मन से तजकर।
सबकुछ जान प्रदीप, कहे मिलजुल कर गाओ।
मीठी मधुर जबान तिक्त कह मत उलझाओ।।

संबंधों की आड़ में, निभा रहे हैं साथ।
व्यापारी उनको समझ, झटको उनका हाथ।
झटको उनका हाथ, मगर मत दूरी रखना।
बातें उनसे साफ, हमेशा करते रहना।
कहते यही प्रदीप, समझ कर उन्हें बुलाओ।
कह दो सारी बात, सभी कुछ संबंधों की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डीएम-एसएसपी ने छाता में सुनीं जनसमस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

छाता। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में शनिवार को थाना छाता परिसर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र

के संभ्रांत नागरिकों, ग्राम प्रधानों और चेयरमैनों ने सहभागिता की।

बैठक में क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अधिकारियों ने विस्तार से चर्चा की। डीएम और एसएसपी ने उपस्थित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके शीघ्र और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में कानून-व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन से जुड़े विषयों पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मेले से लापता नौ वर्षीय बच्चे का तालाब किनारे मिला शव

परिजनों ने कपड़ों से की पहचान, फील्ड यूनिट ने जुटाए साक्ष्य; पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

बरसाना/मथुरा। ग्राम आजनोख में मेले से लापता हुए नौ वर्षीय बच्चे का शव शनिवार सुबह मंदिर के पीछे बने तालाब के किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने बच्चे के कपड़ों से शव की पहचान अपने पुत्र के रूप में की। सूचना मिलते ही थाना बरसाना पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर की शाम ग्राम आजनोख में लगे मेले से बच्चा लापता हो गया था।

परिजनों ने 24 सितंबर को थाने पहुंचकर गुमशुदगी के संबंध में अभियोग दर्ज कराया था। शनिवार सुबह परिवार के लोगों ने तालाब किनारे मिले शव के कपड़े देखकर उसकी पहचान की। सूचना पर थाना प्रभारी बरसाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापन निविदा सूचना संख्या : 26/45 दिनांक : 25.09.2026

ई-प्रापन निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001 : 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापन निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	63255691	मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ बोल्ट्स एण्ड नट्स ऑफ 25 एमएम डाया ऑफ वैरियस साइजेस रेल पर स्पेसिफिकेशन आईआरएस-टी-23-2021 विथ लेटेस्ट एमेंडमेन्ट	152.48 एमटी.	09-NOV-26
2	80265016	सिलिन्ड्रिकल रोलर बेयरिंग	1236 सेट एवं 25 नग	28.10.2026
3	30264292	बैटरी बॉक्स	415 नग	21.10.2026
4	30262820A	फुट स्टेप कम्प्लीट	1593 नग	01.12.2026
5	70254301बी	विंटर जैकेट	5496 नग	19.10.2026
6	40263203	लेड एसिड बैटरी 8V 500AH	527 नग	27.10.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 2192/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ
उत्तर मध्य रेलवे
नवाब यूसुफ रोड, बाल्मीकी चौराहा, प्रयागराज-211001

संकेतात्मक सूचना

अधिसूचना सं. आरआरसी/एनसीआर/जीडीसीई-01/2026

महत्वपूर्ण तिथियाँ

अधिसूचना जारी करने की तिथि : 28.09.2026
ऑनलाईन आवेदन की प्रारंभिक तिथि : 01.10.2026
आवेदन की अंतिम तिथि व समय : 30.10.2026 (23:59 बजे तक)

रेल भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए जीडीसीई (GDCE) कोटा के अन्तर्गत निम्नलिखित पदों हेतु विज्ञापित रिक्तियों को भरने के लिए, उत्तर मध्य रेलवे में धारणाधिकार (लियन) रखने वाले पात्र व स्थायी नियमित कर्मचारियों (आरपीएफ/आरपीएसएफ को छोड़कर) से ऑनलाईन (Online) आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं-

क्र. सं.	पद	7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स	पदों की संख्या
1.	सहायक लोको पायलट	लेवल-2	428
2.	तकनीशियन ग्रेड I (सिग्नल एवं दूरसंचार)	लेवल-5	5
3.	तकनीशियन ग्रेड III सिग्नल एवं दूरसंचार (सभी विभाग)	लेवल-2	56
4.	जूनियर इंजीनियर (सभी विभाग)	लेवल-6	60
5.	वाणिज्यिक सह टिकट लिपिक	लेवल-3	104
6.	कनिष्ठ लिपिक सह टंकक	लेवल-2	3

▸ सभी प्रकार के पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम (www.rrcpryj.org) से ही जमा किये जाने चाहिए।

▸ यह सूचना केवल सांकेतिक स्वरूप में जारी की गई है, जिसका उद्देश्य संभावित उम्मीदवारों को आगामी चयन के संबंध में अवगत कराना तथा आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाणपत्रों/दस्तावेजों के साथ तैयार रहने के लिए है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि सभी नियम, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएँ एवं अन्य आवश्यकताएँ विस्तृत अधिसूचना (साथ ही समय-समय पर जारी किए जाने वाले किसी भी शुद्धिपत्र/ परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना सहित) के अनुसार ही होंगी, जो केवल रेल भर्ती प्रकोष्ठ/उत्तर मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट (www.rrcpryj.org) पर प्रकाशित की जाएगी।

अध्यक्ष
रेल भर्ती प्रकोष्ठ

2199/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार में राई–रत्ती भर भी नैतिकता हो, तो उन्हें फौरन अपने–अपने पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। क्योंकि उन पर वोट चोरी के कारण देशद्रोह जैसा गंभीर इल्जाम लगाया गया है। ज्ञानेश कुमार तो जन प्रतिनिधि नहीं हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी और अमित शाह में वाकई हिम्मत है कि वो जनता के बीच जाकर असल वोट हासिल कर जीत सकते हैं तो उन्हें इस्तीफा देने में कोई दिक्कत नहीं होगी। याद दिला दें कि यूपीए सरकार के वक्त 2006 में सोनिया गांधी लाभ के पद विवाद में उलझीं तो उन्होंने फौरन इस्तीफा देकर उपचुनाव में जाना तय किया था। दरअसल सोनिया गांधी रायबरेली से लोकसभा सांसद थीं और साथ ही राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की चेयरपर्सन थीं, जिसे तब कैबिनेट मंत्री की रैंक हासिल थी। विपक्ष यानी तत्कालीन भाजपा ने इसे लाभ का पद बताते हुए सोनिया गांधी पर आरोप लगाए तो अपनी नैतिकता दिखाते हुए उन्होंने दोबारा चुनावी मैदान में उतरना तय किया और जीतीं भी। यह मिसाल यहां देना इसलिए जरूरी है, क्योंकि आज देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे दो लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह सत्ता पर बने रहने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रहे हैं और यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उनके निर्देशों पर काम कर रहे हैं। यह आरोप एक बार नहीं बार–बार लग रहे हैं। द इंडियन एक्सप्रेस में बुधवार और गुरुवार को छपी रिपोर्टों में इस बात का अच्छे से खुलासा हुआ है कि किस तरह एसआईआर के जरिए करोड़ों योग्य मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटाया गया। एक बड़ा खुलासा यह भी हुआ है कि 2024 के बाद से नयी पीढ़ी के मतदाता यानी 18 बरस की आयु पूरी कर चुके लोगों को अपना नाम वोटर लिस्ट में दर्ज करवाने में अड़चनें आ रही हैं। यह सब महज तकनीकी गड़बड़ी से नहीं हुआ हो, बल्कि इसके लिए पहले कानून बदला गया, फिर नए नियम बनाए गए, गोपनीयता का हवाला देकर बहुत से फैसलों को बिना स्पष्टीकरण के लागू कर दिया गया। भारत के जिस चुनाव आयोग की निष्पक्ष और मजबूत छवि पूरी दुनिया में मशहूर थी। भारत के लोकतांत्रिक चुनावों की मिसाल अन्य लोकतांत्रिक देशों में दी जाती थी, उसकी साख और गरिमा को मोदी–शाह ने तार–तार कर दिया है। इसलिए एक बार फिर देश में जनता के उठ खड़े होने के हालात बन रहे हैं। गुरुवार को वोट चोरी के मुद्दे पर दो अहम प्रेस कांफ्रेंसेस हुईं। एक कॉकरोच जनता पार्टी ने की और दूसरी राहुल गांधी ने। राहुल गांधी ने अपनी प्रेसवार्ता में एक अहम मुद्दा एंटी इन्कमबेन्सी का उठाया कि इंदिरा गांधी से लेकर तमाम प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों को कभी न कभी विरोध में जनादेश मिला है, यानी उन्हें सत्ता से हटने का आदेश जनता ने दिया। लेकिन नरेन्द्र मोदी और अमित शाह कई बार कभी 30 साल तो कभी 50 साल तक भाजपा के एकछत्र राज का दावा कर चुके हैं। जाहिर है इसके पीछे उनका षड्यंत्र यही है कि वोट के अधिकार को कुचल कर अपनी सत्ता बनाए रखो। राहुल गांधी ने बताया कि वोट चोरी से कानून चोरी की जा रही है और फिर संस्था चोरी। यानी संसद में सत्ताधारी चोरी के वोटों से पहुंचे हैं और इसलिए वो जो कानून बना रहे हैं वो सही नहीं कहे जा सकते। राहुल गांधी ने बाकायदा क्रोनोलॉजी समझा दी कि दिसंबर 2023 में जब चुनाव आयुक्त को कानूनी कार्रवाई से बचाने का कानून बनाया गया था, तब से लेकर अब तक कितनी बार उन्होंने चुनावी धांधली और चुनाव आयोग पर कब्जे के सबूतों के साथ प्रेस कांफ्रेंस की और जनता को तथ्यों से परिचित कराया है। राहुल गांधी का कहना है कि जब उन्होंने मतदाता सूची में जबरन गलत नाम जोड़ने और सही नामों को काटने के खेल को उजागर किया, उसके बाद एसआईआर की कवायद चुनाव आयोग ने शुरु कर दी। राहुल गांधी ने साफ कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ज्ञानेश कुमार को बचा रहे हैं। आज जैसी धांधली देश में पहले कभी नहीं हुई। ज्ञानेश कुमार तुरंत इस्तीफा दें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की साजिश की भी जांच हो। अब ये जांच कौन करेगा ये बड़ा सवाल है। राहुल गांधी अपनी बातों में जहां पुराने तथ्यों और आरोपों को दोहराते दिखे, और उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में इस बात का खुलकर जवाब नहीं दिया कि क्या कांग्रेस या इंडिया गठबंधन इस मामले में अब आंदोलन छेड़ेगा और इसका स्वरूप क्या होगा। वहीं कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने पुराने रवैये को बरकरार रखते हुए मोदी सरकार के सामने तीन स्पष्ट मांगें रखीं और इसके लिए वक्त भी मुकर्रर कर दिया है। सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार पर मतदाताओं के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर वह 48 घंटे के भीतर अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू होगा और दिल्ली में श्जंतर–मंतर 2.0 भी किया जाएगा।

देवीलाल के लिए सत्ता का अर्थ केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं था

सतीश मेहरा

1987 में जब चौधरी देवीलाल दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने तो मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालते ही उन्होंने अधिकारियों से बुढ़ापा पैंशन की फाइल मंगवाई। उस पर हस्ताक्षर करने के बाद अपने सहज अंदाज में कहा–'ले, हो गई बुढ़ापा पैंशन।' उनके लिए सत्ता का अर्थ केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं, बल्कि उस कुर्सी के माध्यम से गरीब, बुजुर्ग, किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के जीवन में राहत पहुंचाना था। उस समय चौधरी बंसीलाल लोगों के बीच कहते थे कि देवीलाल बुढ़ापा पैंशन लागू नहीं कर पाएंगे। देवीलाल ने जवाब दिया था कि मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले बुढ़ापा पैंशन की फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपने कथन को अमल में बदल दिया। वर्ष 1987 में 100 रुपए मासिक की दर से वृद्धावस्था पैंशन शुरू कर दी गई। आज यही योजना वृद्धावस्था सम्मान भत्ते के रूप में हरियाणा की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल है और इसकी राशि 3,200 रुपए प्रतिमाह तक पहुंच चुकी है। चौधरी देवीलाल केवल राजनेता नहीं, बल्कि राजनीति और समाज सेवा की ऐसी संस्था थे, जिनका जीवन गरीब, किसान, मजदूर और कमेरे वर्ग के अधिकारों के संघर्ष में बीता। जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। 25 सितम्बर, 1914 को तत्कालीन हिसार जिले के (वर्तमान में सिरसा जिले के) तेजा खेड़ा गांव में जन्मे देवीलाल ने आजादी की लड़ाई से लेकर हरियाणा के निर्माण और आम आदमी के अधिकारों तक के लिए संघर्ष किया। मुख्यमंत्री और उपप्रधानमंत्री बनने के बाद भी उनकी पहचान आम आदमी से जुड़ी रही। वह कठिन बात भी गांव की भाषा में कहते थे और यही उनकी जनसंचार शैली की सबसे बड़ी ताकत थी। देवीलाल की राजनीति केवल बुढ़ापा पैंशन तक सीमित नहीं थी। 'खुले जनता दरबार' के माध्यम से शासन को गांव और आम आदमी के दरवाजे तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। किसानों और गरीबों को राहत, सहकारी संस्थाओं के कर्ज से जुड़ी राहत, अनुसूचित जाति की चौपालों का निर्माण, बेरोजगार युवाओं के लिए सहायता, विद्यार्थियों के बस पास में राहत और साक्षात्कार के लिए जाने वाले युवाओं की बस यात्रा निःशुल्क करने जैसे अनेक फैसले उनके जनकल्याणकारी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। जच्चा–बच्चा के लिए पोषण सहायता, कुछ करों से राहत, ट्रैक्टर और साइकिल का टोकन टैक्स समाप्त करना, रेडियो लाइसैंस फीस खत्म करना तथा गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता जैसी पहलें भी उनके शासन की पहचान बनीं। चौधरी देवीलाल की सादगी और 36 बिरादरियों के नेता होने का प्रमाण मुझे स्वयं वर्ष 1989 में गांव खेड़ी मसानिया में देखने को मिला। उस समय उन्होंने गांव–गांव में मैचिंग ग्रांट योजना के तहत अनुसूचित जाति की चौपालों के निर्माण की घोषणा की थी। चौपाल निर्माण की जिम्मेदारी तत्कालीन उद्योग मंत्री डा. कृपाराम पूनिया को दी गई थी। खेड़ी मसानिया में श्री गुरु रविदास मंदिर के शिलान्यास और चौपाल के उद्घाटन का कार्यक्रम डा. पूनिया को करना था लेकिन किन्हीं कारणों से उन्हें कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा भी दिया, हालांकि देवीलाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। अगले दिन डा. पूनिया ने मुझे चंडीगढ़ बुलाया और बाद में देवीलाल से मिलवाया। मुझे देखते ही उन्होंने सहज अंदाज में पूछा–'हां भई छोरे, क्या चाहते हो तुम?' मैंने कहा कि डा. पूनिया तो आएं ही, आप भी हमारी चौपाल के उद्घाटन समारोह में आएं। इससे गरीब और दलित समाज का सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने तत्काल कहा–'मैं गांव खेड़ी मसानिया आऊंगा, आप तैयारी करो।' वह 31 मार्च, 1989 को डा. कृपाराम पूनिया के साथ खेड़ी मसानिया गांव में पहुंचे। उन्होंने चौपाल का उद्घाटन किया, श्री गुरु रविदास मंदिर का शिलान्यास किया और भारी जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने मैचिंग ग्रांट के साथ अतिरिक्त सहायता राशि की घोषणा की तथा किसानों, गरीबों, दलितों और ग्रामीण विकास के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। उनके व मोहल्ला वासियों के प्रयासों से बनी चौपाल शानदार भवन का रूप ले चुकी है। देवीलाल ने राजनीति को समाज के कमजोर व्यक्ति को सम्मान देने का जरिया बनाया। 25 सितम्बर को जननायक चौधरी देवीलाल के जन्मदिवस पर उन्हें याद करना केवल श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि उस जनसेवा की परंपरा को स्मरण करना भी है, जिसमें गरीब की चिंता, किसान का सम्मान, बुजुर्गों की सुरक्षा और गांव का विकास शासन की प्राथमिकता माने जाते थे।

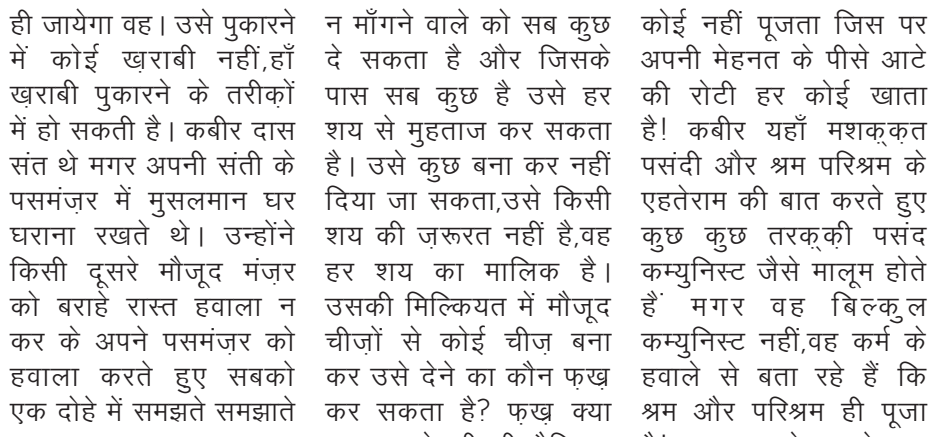

कबीरी

कवि हो या शाइर,बात किसी एक हवाले से कहता है मगर उसकी वह बात हज़ार ज़ावियों से होती है। उसे शौक़,तरक़्क़ी या अक़ीदत के नाम पर माहौल में की जाने वाली बेजा छेड़ छाड़ बेचौन करती है जिसे वह ख़तरे की घंटी के तौर पर अपनी तख़लीक़ में बजा कर लोगों बहुत पहले से ख़बरदार करना शुरूअ कर देता है।

क़ुदरत ने सन्नाटा ख़ल्क़ किया था और उस सन्नाटे को बहुत लतीफ़ साज़ से आबाद किया था,ताकि उसकी मख़्लूक़ उसे महसूस कर के महज़ूज़ हो सके और महफ़ूज़ भी रह सके। मगर उसकी क़ुदरती सौत ओ सदा,उसके फ़ितरी साज़ संगीत को सुनने और महज़ूज़ होने के बजाय इंसान ने अपनी शदीद शौक़ आज़माई शुरूअ कर दी! वह फ़ितरी निज़ाम पर अपना मसनूई इक़्तेदार मुसल्लत करने लगा! और यहाँ तक फ़ितरक से छेड़ छाड़ मचाई कि सन्नाटे का साज़ संगीत शोर के मलबे में दब कर बेश्सौत ओ सदा हो गया! कल ऊँची आवाज़ का झंडा उठा कर खुश होने वाला आज अपनी और अपनों की आवाज़ न सुना और न बन पाने के फ़रियादी हैं।

पंद्रहवीं सदी में कबीर दास ने शोर की ख़तरनाकी को महसूस करते हुए दुनिया को इसके ख़तरे से ख़बरदार करना शुरूअ कर दिया था। ऐसा नहीं है कि मस्जिद से पुकारी जाने वाली बांग को उन्होंने दोहे में ख़बरदारी का मरकज़ बनाया तो मस्जिद के अलावा कहीं उसे दूसरे हवाले, दूसरे नाम या दूसरे तरीक़े से पुकारा ही नहीं जा रहा था। पुकारा जा रहा था।

ख़ुदा,गाड़,परमात्मा तो पुकारे जाने के लिए है ही! उसे न पुकारा जायेगा तो किसे पुकारा जायेगा? घरों,पंडालों, घाटों मंदिरों में होने वाले भजन कीर्तन अखण्ड पाठ उसी को तो पुकारते हैं! चर्च की घंटी उसी को पुकारने के लिए तो पुकारती है,बाइबल पढ़ कर उसी को पुकारा जाता है! गुरुद्वारे से सबद गुरु ग्रंथ साहिब पढ़ने वाले उसी को तो पुकारते हैं! मस्जिद से दी जाने वाली अज़ान उसी को पुकारने के लिए तो पुकार है!ख़ानक़ाहों दरगाहों में तिलावत,हम्द और सलाम के हवालों से वही तो पुकारा जाता है! संगीतकार के संगीत की लहर और गाने वाले की काँपती अलाप उसी को तो पुकारती है। है तो पुकारा ही जायेगा वह। उसे पुकारने में कोई ख़राबी नहीं,हाँ ख़राबी पुकारने के तरीक़ों में हो सकती है। कबीर दास संत थे मगर अपनी संती के पसमंज़र में मुसलमान घर घराना रखते थे। उन्होंने किसी दूसरे मौजूद मंज़र को बराहे रास्त हवाला न कर के अपने पसमंज़र को हवाला करते हुए सबको एक दोहे में समझते समझाते हुए कहा..

कांकर पाथर जोरि कै, मस्जिद लई बनाय।
ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय!

नहीं बिल्कुल भी नहीं,गाड परमात्मा खुदा तो बहरों को भी सुनाई देता है और गूंगों की भी सुनता है! न वह बहरा है और न गूंगा,सब को यही बात समझाना चाह रहे हैं कबीर दास! कबीर दास यही तो कह रहे हैं के उसे पुकारने के लिए आवाज़ की बुलंदी नहीं अक़ीदत की,भक्ति की बुलंदी ज़रूरी है। बुलंद से बुलंद आवाज़ भी किसी न किसी दूसरे बड़े शोर से दब सकती है मगर अक़ीदत और भक्ति की आवाज़ धीमी से धीमी होने के बाद भी बुलंद ही रहती है। वह अपने लिए बनाई जाने वाली बड़ी से बड़ी,आली शान से आली शान इमारत से बहुत बड़ा और बहुत शानदार है। मगर छोटे से छोटे दिल में उसकी बेनियाज़ी समा जाती है। वह ऐसा दाता है कि कुछ न माँगने वाले को सब कुछ दे सकता है और जिसके पास सब कुछ है उसे हर शय से मुहताज कर सकता है। उसे कुछ बना कर नहीं दिया जा सकता,उसे किसी शय की ज़रूरत नहीं है,वह हर शय का मालिक है। उसकी मिल्कियत में मौजूद चीज़ों से कोई चीज़ बना कर उसे देने का कौन फ़ख़ कर सकता है? फ़ख़ क्या शुक्र करने की भी हैसियत और औक़ात नहीं रखता कोई।

इस दोहे में कबीरदास जी एक को कह कर सब को कह गये। क्या क्या कह गये! यह सब ज़मानों के एतबार से ज़मानों को पता चलता रहेगा। कबीर दास ने ख़ाली मस्जिद मुल्ला बांग और खुदा के हवाले से नहीं, पत्थर पूजा पहाड़ और हरि के हवाले से भी कहा है,कबीर को समझने के लिए उस दोहे को भी समझना ज़रूरी है..

पाथर पूजे हरि मिलै, तो मैं पूजूं पहार
ताते ये चाकी भली, पीसी खाए संसार।

यहाँ कबीर दास एक दूसरे मसअले को हल करते मिलते हैं! बताते हैं कि हरि को पाने के लिए पत्थर को पूजने की ज़रूरत नहीं,अगर पत्थर पूजने से हरि मिलता तो लोग पहाड़ पूज कर हरि को हासिल कर लेते! घरों में मौजूद आटा पीसने वाली पत्थर की चक्की को कोई नहीं पूजता जिस पर अपनी मेहनत के पीसे आटे की रोटी हर कोई खाता है! कबीर यहाँ मशक़्क़त पसंदी और श्रम परिश्रम के एहतेराम की बात करते हुए कुछ कुछ तरक़्क़ी पसंद कम्युनिस्ट जैसे मालूम होते हैं मगर वह बिल्कुल कम्युनिस्ट नहीं,वह कर्म के हवाले से बता रहे हैं कि श्रम और परिश्रम ही पूजा है!मशक़्क़त के ज़राये क़द्र और एहतेराम के लायक़ हैं। कबीर किसे मानते थे, किसे नाम से मानते थे,नाम से या बग़ैर नाम से मानते थे,यह सब कबीर जानें और वह जाने जिसे कबीर मानते थे। मैं तो यह जानता हूँ कि उनको दीन धर्म से कोई दिक़्क़त नहीं थी मगर दीन धर्म के नाम पर तवह्हुम, अंधविश्वास शिद्दत,दीन धर्म के दामन में घुस पड़ी पुर शोरी और ग़फ़लत से उन्हें दिक़्क़त थी।

दीन धर्म का काम इंसान को ग़फ़लत निकालना और बेदार करना है। दीन धर्म माँगने वाले पैदा करने के लिए नहीं आये, वह कमाने वाले पैदा करने और किसी वजह से न कमा पाने वालों की मदद अपनी कमाई से करने वाले इंसान पैदा करने के लिए आये हैं! खुदा परमात्मा को किसी किसी के पैसों की ज़रूरत नहीं है,उसे किसी के बनाये घरों की ज़रूरत नहीं, इन पैसों और घरों की उसकी नज़र में क्या हैसियत हो सकती है?उसके सब से क़ीमती घर तो इंसानों के दिलों और दिमागों में होते हैं,उसके वह घर कहाँ हैं? हैं भी कि नहीं? उसकी सब से क़ीमती दौलत बे–ज़रर अक़ीदत और भक्ति है! बे–ज़रर भक्ति और अक़ीदत है कहीं? है भी कि नहीं?

जिस दिन खुदा परमात्मा के घर इंसान के दिल और दिमाग़ में बन जायेंगे उस दिन उसके नाम पर बनाये गये कंकर पत्थर के घरों का झगड़ा ख़त्म हो जायेगा। जिस दिन अक़ीदत और भक्ति बे–ज़रर हो जायेगी उस दिन जुल्म न रहेगा। जिस दिन इंसान मेहनत श्रम को दीन धर्म का हुक्म मान कर ईमानदारी के साथ कमाने निकल पड़ेगा उस दिन अच्छे आ जायेंगे। जिस दिन इंसान अपनी मेहनत और ईमान की कमाई में से कुछ कमाई खुदा परमात्मा के नाम पर उन न कमा पाने वालों को देने लगेगा जो किसी वजह से नहीं कमा पा रहे हैं,उस दिन कोई भूखा नहीं रहेगा। यह सारे काम दीन धर्म के ज़रीये हो सकते हैं! कौन कहता है कि तरक़्क़ी पसंदी के दौर में दीन धर्म का कोई काम नहीं। तरक़्क़ी के लिए आज कबीर की ज़रूरत है, मगर कौन करेगा कबीरी?

–अनवार अब्बास
नक़वी

सीईसी के बिना अधिकार और गैर-कानूनी कामों के लिए प्रधानमंत्री मोदी जिम्मेदार

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के तीन चुनाव आयुक्तों में से दो ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में चुनाव आयोग के कुछ फैसलों पर अपनी आपत्ति दर्ज की है और उन्हें श्गैर–कानूनीश और शबिना अधिकार केश भी बताया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक जांच में पता चला है कि पिछले दस महीनों में कम से कम 14 बार आपत्तियां उठाई गई थीं। हालांकि, यह मामला सिर्फ सीईसी की जवाबदेही से कहीं आगे का है, क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नियुक्त किए गए पसंदीदा व्यक्ति हैं। उन्हें सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 में लाए गए कानून के तहत नियुक्त किया गया था, जिसने चुनाव आयोग को उनके नियंत्रण में ला दिया। उस कानून के तहत, केवल सीईसी को संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त है और उन्हें केवल महाभियोग के जरिए ही हटाया जा सकता है। महाभियोग का यह प्रावधान कितना बेअसर हो गया है, इसे भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई 2025 को दिए गए इस्तीफे (जो तुरंत लागू हुआ) के ताजा उदाहरण से समझा जा सकता है। महाभियोग का प्रावधान उनके लिए कोई सुरक्षा कवच साबित नहीं हुआ और सबसे ऊंचे स्तर से महाभियोग की धमकी का एक साधारण संदेश ही उनका इस्तीफा लेने के लिए काफी था। यह घटना बताती है कि सीईसी के पद पर ज्ञानेश कुमार कितने कमजोर हैं। उनके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेशों का पालन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जहां तक बाकी दो चुनाव आयुक्तों की बात है, उन्हें ऐसी कोई संवैधानिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है। सीईसी और दो ईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों से जुड़े 2023 के कानून के तहत, उनका कार्यकाल पूरी तरह से सीईसी की इच्छा पर निर्भर करता है, जो अप्रत्यक्ष रूप से सरकार की इच्छा है। दो ईसी के पास केवल आपत्ति जताने की शक्ति है, जो उन्होंने की भी, लेकिन मौजूदा हालात में दोनों ईसी से यह उम्मीद करना बहुत ज्यादा होगा कि वे इस मामले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएं। हमने पहले देखा है कि कैसे एक ईसी को चुनाव आयोग की कुछ गतिविधियों पर आपत्ति जताने की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी और उन्हें नुकसान उठाना पड़ा था क्योंकि सरकार ने उनकी पत्नी के खिलाफ कथित टैक्स चोरी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी थी। ये घटनाएं साफ तौर पर बताती हैं कि भारत का चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीधे नियंत्रण में कैसे काम करता है। इसलिए, सीईसी ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग चलाने की विपक्ष की मांग से भारत के चुनाव आयोग की जवाबदेही की समस्या हल नहीं होगी, जो चुनावी लोकतंत्र का संरक्षक और रक्षक है। भारत में जुलाई 2025 से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है, जो बहुत विवादित हो गया है। इसने भारत के नागरिकों को भारी परेशानी में डाल दिया है और अब तक 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इससे पहले, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में राज्य चुनावों को प्रभावित करने के लिए दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में मतदाताओं को जोड़ा गया था। यह सब कानूनों की आड़ में किया गया, जिनमें हेरफेर की गई थी। एसआईआर में भी हेरफेर की गई, और इसका फायदा हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को मिला। सर्वोच्च न्यायालय ने भी एसआईआर पर न्याय करने के बजाय उससे सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए पर्यवेक्षक की भूमिका अदा की। सर्वोच्च न्यायालय सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों के लिए 2023 के कानून को चुनौती देने वाले मामले पर भी अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है। उस कानून ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्ति समिति से बाहर कर दिया है। सर्वोच्च न्यायालय का रूख रहस्यमय रहा है– उदाहरण के लिए, उसने चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक माना, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा द्वारा असंवैधानिक तरीके से पैसे इकठ्ठा करने के खिलाफ कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। इसलिए, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट से सामने आई बात चुनाव आयोग के भीतर के आपसी प्रशासनिक मतभेदों से कहीं आगे की है। यह एक ज्यादा गंभीर सवाल उठाती है कि क्या चुनाव पर नजर रखने वाली संस्था सच में स्वतंत्र रह सकती है, जब मौजूदा सरकार का इस संवैधानिक संस्था पर निर्णायक प्रभाव हो? चुनाव आयोग की विश्वसनीयता न केवल उसके आयुक्तों की व्यक्तिगत ईमानदारी पर निर्भर करती है, बल्कि उन संस्थागत सुरक्षा उपायों पर भी निर्भर करती है जो उन्हें राजनीतिक दबाव से बचाते हैं। यहीं पर हम सिर्फ सीईसी ज्ञानेश कुमार की व्यक्तिगत ईमानदारी को दोष नहीं दे सकते।

, खासकर तब जब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर पूरे चुनावी लोकतंत्र को हथियाने की कोशिश करते देखा जा रहा है– ऐसे कानून और नियम लाकर जिन पर भारत की संसद में कभी चर्चा तक नहीं हुई। यह याद रखना चाहिए कि सीईसी और अन्य ईसी की नियुक्ति और सेवा शर्तों से जुड़ा 2023 का कानून तब पारित किया गया था जब विपक्ष के लगभग सभी सदस्यों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं में बताया गया था कि इस मुद्दे पर लगभग कोई बहस नहीं हुई थी, और विपक्ष के सांसदों के निलंबन के बाद उनकी अनुपस्थिति में श्वॉइस वोटश (मौखिक मतदान) के जरिए कानून को जल्दबाजी में पारित कर दिया गया था। आज चुनाव आयोग की विश्वसनीयता का सवाल और भी अहम हो गया है, क्योंकि यह बात सामने आई है कि दो चुनाव आयुक्तों ने कई मौकों पर वोटर लिस्ट की प्रक्रियाओं, फॉर्म 6 में बदलाव और आयोग के टेक्नालॉजी प्रणाली के कामकाज को लेकर आपत्तियां जताई थीं। वोटर लिस्ट का डेटा केन्द्रीयकृत किया गया था और फैसले लेने में चुनाव आयुक्तों को शामिल नहीं किया गया था। अब मुख्य सवाल यह है कि अगर खुद आयुक्त ही अहम चुनावी फैसलों की कानूनी वैधता, अधिकार या उन्हें लागू करने के तरीके पर असहमत हों, तो ऐसी असहमति की ठीक से जांच, रिकॉर्डिंग और समाधान सुनिश्चित करने के लिए कौन–सी संस्थागत व्यवस्था है? सबसे चिंताजनक संस्थागत मुद्दों में केंद्रीय मतदाता सूची पर नियंत्रण का मामला शामिल था, जिसमें जमीनी स्तर और राज्यों के चुनाव अधिकारियों को भी उस प्रणाली तक सीमित पहुंच ही दिया गया था, जिससे वे अपने फैसले रिकॉर्ड नहीं कर पाते थे। अप्रत्यक्ष रूप से, सीईसी पूरी प्रणाली को चुनाव अधिकारियों के बजाय टेक्नालॉजी से जुड़े लोगों के जरिए नियंत्रित करते हैं। दो चुनाव आयुक्तों ने श्फॉर्म 6श को लेकर भी सवाल उठाए, जो कि बहुत गंभीर बात है, क्योंकि यह न केवल नए मतदाताओं के लिए बल्कि उन लोगों के लिए भी प्रवेश द्वार है जिन्हें ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किया गया था।

हर्षिता गौर बोलीं– वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं, मैं शो में सबसे छोटी

शमिर्जापुरश की डिंपी का रोल निभाने वालीं हर्षिता गौर ने भले बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई की लेकिन उनका सपना कहीं न कहीं एक्ट्रेस बनने का था। उन्होंने कहा– मेरी मां डॉक्टर हैं और अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी अगली फिल्म मिर्जापुर द मूवी से। बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई करने वाली हर्षिता गौर हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, मगर साथ ही उन्हें अपने परिवार को मायूस नहीं करना था, यही वजह थी कि उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। किस्मत ने उनका साथ दिया और शसाड्डा हकश जैसे टीवी शोज से एक्टिंग की उनकी राह आसान हो गई, मगर शमिर्जापुरश की डिंपी जैसे शांत और सौम्य रोल ने उन्हें रातों –रात मशहूर कर दिया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी आगामी फिल्म मिर्जापुर द मूवी से। उनसे खास बातचीत। शइंजिनियरिंग कर रही थी, मगर एक्ट्रेस बनना थाश एक्टिंग में आने से पहलेहर्षिता इंजिनियरिंग कर रही थीं। बकौल हर्षिता, शमेरी मां डॉक्टर हैं, हालांकि अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया, मगर उन्होंने कभी भी प्रोफेशनली इसे अपनाने की नहीं सोची, पर मैं तो हमेशा से ऐक्ट्रेस बनना चाहती थी। माता–पिता चाहते थे कि मैं कि मैं अपनी पढ़ाई पूरी करूं। मैंने अपने मन में सोचा, मुझे तो आगे चल कर एक्टिंग ही करनी है, मगर चलो इंजिनियरिंग भी कर लेते हैं। लेकिन अभिनय का कीड़ा तो कभी गया नहीं। कॉलेज के साथ–साथ मैं एक्टिंग के फील्ड में कुछ न कुछ करती रहती थी। कॉलेज के आखिरी साल में एग्जाम के बीच मैं ऑडिशन देने मुंबई आई और मेरे पेरेंट्स ने भी मुझे पूरा सपोर्ट किया। मेरी मॉम मेरे साथ आई थीं। इसी दौरान मुझे काम मिल गया और शो शुरू हो गया। फिर किस्मत से मेरी जिंदगी में साड्डा हक आया, जो तीन साल चला और लोगों ने बहुत पसंद किया और वहां से अभिनय की गाड़ी चल निकली। शहनुमान अंशश देख दहाड़े मारकर रोई महिला, चालीसा सुन हुई बेकाबू! थघ्एिटर के अंदर का वीडियो निकला 2 साल पुराना श्भारत आयरलैंड से हारा तो क्या क्रिकेट खत्म हो गया?श, च्ब्ठ अध्यक्ष मोहसिन नकवी का अटपटा बयान, इंग्लैंड में मिली करारी हार का किया बचाव मेरी मां डॉक्टर हैं, हालांकि अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया, मगर उन्होंने कभी भी प्रोफेशनली इसे अपनाने की नहीं सोची, पर मैं तो हमेशा से ऐक्ट्रेस बनना चाहती थी। माता–पिता चाहते थे कि मैं कि मैं अपनी पढ़ाई पूरी करूं। मैंने अपने मन में सोचा, मुझे तो आगे चल कर एक्टिंग ही करनी है, मगर चलो इंजिनियरिंग भी कर लेते हैं लेकिन अभिनय का कीड़ा तो कभी गया नहीं। शकिसिंग सीन पर घरवालों ने आपत्ति नहीं कीश अपने पहले ही शो शसाड्डा हकश में हर्षिता ने किसिंग सीन्स किए थे। अपने परिवार वालों की प्रतिक्रिया के बारे में वे कहती हैं, शमेरे परिवार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि हम मिडिल क्लास वैल्यूज रखते हैं, मगर साथ ही वे ओपन–माइंडेड भी हैं। मेरे कहने का यह तात्पर्य है कि उनका ये हमेशा से मानना है कि तुम परदे पर जो कर रही हो, वो वैल्यू करना चाहिए। मतलब आपको किसिंग सीन करना है या कोई और इंटीमेट दृश्य, अगर वो आपके काम को वैल्यू दे रहे हैं, रिक्वायरमेंट है, अच्छे, क्रिएटिव और क्राफ्ट को समझने वाले लोगों के साथ कर रहे हैं, तो फिर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने हमेशा ये समझा कि ये कहानी की मांग थी।श शकथक का साथ कभी नहीं छोड़ सकतीश कथक को अपना पहला प्यार मानने वाली हर्षिता कहती हैं, शमेरे लिए कथक बहुत खूबसूरत चीज है और मुझे बेहद पसंद है। मैंने छह साल की उम्र से कथक सीखा, लेकिन पढ़ाई और बाद में मुंबई आने के दौरान इसमें कई लंबे ब्रेक आए। मुंबई में जब मैंने दोबारा शुरू किया तो एक एक्सीडेंट के बाद दोनों घुटनों में इंजरी हो गई और करीब 4–5 महीने बेड रेस्ट पर रही। उसी दौरान मिर्जापुर का एक्शन सीक्वेंस भी शूट करना था, जो काफी मुश्किल था। मिर्जापुर द मूवी की वजह से मुझे दोबारा कथक शुरू करने की हिम्मत मिली। अब मुझे लगता है कि कथक मेरी बॉडी में है। चाहे महीने में चार–पांच क्लास ही कर पाऊं, मैं इसका साथ नहीं छोड़ूंगी।श मुंबई में जब मैंने दोबारा शुरू किया तो एक एक्सीडेंट के बाद दोनों घुटनों में इंजरी हो गई और करीब 4–5 महीने बेड रेस्ट पर रही। उसी दौरान मिर्जापुर का एक्शन सीक्वेंस भी शूट करना था, जो काफी मुश्किल था। मिर्जापुर द मूवी की वजह से मुझे दोबारा कथक शुरू करने की हिम्मत मिली।हर्षिता गौर शमैंने मिर्जापुर के लिए मना कर दिया थाश डिंपी पंडित का जो किरदार हर्षिता के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, उसके लिए उन्होंने पहले मना कर दिया था। वे बताती हैं, शमैंने एक टीवी शो किया था साड्डा हक, उसमें हमारे मिर्जापुर के निर्देशक गुरमीत असिस्टेंट डायरेक्टर हुआ करते थे। उन्होंने मुझे मिर्जापुर के सीजन वन के लिए डिंपी पंडित की भूमिका का ऑफर दिया। उस वक्त तक हम ओटीटी क्या होता है, जानते नहीं थे। मैंने रोल के लिए मना कर दिया था, क्योंकि आपकी लिमिटेड अंडरस्टैंडिंग होती है। मुझे कहा गया कि दो भाइयों की बहन का रोल है और मैंने उसे नकार दिया, लेकिन फिर उनका दोबारा कॉल आया। मैं जब दूसरी बार मिली, तो मुझे वो सीन नरेट किया गया, जहां मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) के अटैक करने पर डिंपी बोलती है, गाड़ी रोक वरना ठोक देंगे। उस बार मुझे पूरा माहौल और किरदार जम गया और मैंने हां कर दी।

दिशा सालियन केस में नया मोड़, पिता आज सीबीआई को सौपेंगे अहम सबूत, जांच तेज करने की मांग

दिशा सालियन के पिता सतीश सालियन, अपने वकील के साथ, गुरुवार को दोपहर 2 बजे के बाद मुंबई में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के ऑफिस जाएंगे और केस से जुड़े कई सबूत सौंपेंगे। उम्मीद है कि सतीश सालियन यह मांग भी करेंगे कि संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द पूछताछ के लिए बुलाया जाए और जो लोग दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यह घटनाक्रम शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और सतीश सालियन के बीच चल रहे कानूनी विवाद के बीच सामने आया है। गुरुवार को ठाकरे ने सालियन द्वारा भेजे गए 500 करोड़ रुपये के मानहानि के नोटिस को खारिज करते हुए औपचारिक कानूनी जवाब दिया। जवाब में, ठाकरे ने मानहानि के आरोपों से इनकार किया और माफी मांगने, अपने सोशल मीडिया पोस्ट हटाने या मुआवजा देने से मना कर दिया। पत्र में कहा गया, पोस्ट को श्री सतीश सालियन के बारे में झूठा, दुर्भावनापूर्ण या मानहानिकारक बताने की बात को पूरी तरह से खारिज किया जाता है। मुआवजे और नुकसान की भरपाई के तौर पर 500 करोड़ रुपये की मांग मनमानी है और इसका कोई आधार, हिसाब–किताब या नुकसान का कोई सबूत नहीं है। इसमें माफी मांगने, पोस्ट हटाने, भुगतान करने या किसी अन्य कार्रवाई की कोई जरूरत नहीं है। ठाकरे के वकील ने यह भी तर्क दिया कि 16 सितंबर को एक्स (पहले ट्विटर) पर किए गए सोशल मीडिया पोस्ट में सतीश सालियन का कोई जिक्र या नाम नहीं था। जवाब में कहा गया, नोटिस में किसी भी पोस्ट में ऐसा कोई खास वाक्य, बात या आरोप नहीं बताया गया है जो सीधे तौर पर सतीश सालियन की ओर इशारा करता हो। न ही पोस्ट से यह साबित होता है कि जिन शब्दों पर आपत्ति जताई गई है, वे उन्हीं के बारे में हैं। कानूनी जवाब में आगे यह भी तर्क दिया गया कि लंबे समय से चल रहे राजनीतिक और मीडिया कैंपेन से जुड़ी टिप्पणियों को किसी व्यक्ति का नाम जोड़कर मानहानि का मामला नहीं बनाया जा सकता। इसके बजाय, विवादित पोस्ट को शिकायत, रिट कार्यवाही, मीडिया रिपोर्ट और आस–पास की राजनीतिक घटनाओं के साथ जोड़कर कथित आरोप गढ़ने की कोशिश की जा रही है। ऐसी अतिरिक्त सामग्री का इस्तेमाल पब्लिश हुई सामग्री को फिर से लिखने या ऐसा कोई आरोप बनाने के लिए नहीं किया जा सकता जो असल टेक्स्ट में मौजूद ही न हो। ऐसी कवायद असल में पब्लिश हुए शब्दों की जगह नहीं ले सकती, इसमें आगे कहा गया। जवाब में कहा गया कि ठाकरे ने कानूनी नोटिस में लगाए गए हर आरोप और दावे को खारिज कर दिया है और उन्हें झूठा, गलतफहमी पर आधारित और कानूनी रूप से टिकने लायक नहीं बताया है। इससे पहले, 19 सितंबर को सतीश सालियन की ओर से पेश वकील नीलेश ओझा ने कहा था कि ठाकरे को माफी और 500 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग वाला कानूनी नोटिस भेजा गया है। एएनआई से बात करते हुए ओझा ने कहा, हमारे एक जूनियर वकील अभी नोटिस दे रहे हैं। नोटिस में माफी और मुआवजे के तौर पर 500 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) मांगा गया है। संविधान के तहत सभी बराबर हैं। उन्होंने जो धमकी दी थी कि वे हमें वकालत नहीं करने देंगे, उसके जवाब में हम उन्हें यह दिखाने आए हैं, देखिए, हम यह नोटिस देने सीधे आपके दरवाजे पर आ रहे हैं। आप जितने चाहें उतने गुंडे ले आइए, जो चाहें वो कीजिए। दिशा सालियन 8 जून, 2020 को मुंबई में मृत पाई गई थीं। उनकी मौत को शुरू में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट के तौर पर दर्ज किया गया था। उनकी मौत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से कुछ दिन पहले हुई थीय सुशांत की मौत के मामले में भी हाई–प्रोफाइल जांच हुई थी और काफी विवाद हुआ था।

मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को जुलाई में अपनी अपकमिंग फिल्म श्मैसाश (डलें) की शूटिंग के दौरान हिप में चोट लग गई थी. इसके बाद एक्ट्रेस को करीब डेढ़ महीने का वक्त घर पर बिताना पड़ा. हालांकि अब वो काम पर लौट चुकी हैं. इसके बाद एक्ट्रेस ने एक इंटव्यू में बताया कि उनका घर पर समय किस तरह से बीतता था? साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें चोट कैसे लगी थी और फिर उसके बाद जब वो हॉस्पिटल पहुंची तो डॉक्टर्स ने उनसे क्या कहा था? पति विजय देवरकोंडा संग बिताया क्वालिटी टाइम रश्मिका मंदाना ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया कि शादी के बाद उन्होंने विजय के साथ सबसे ज्यादा समय अपनी इंजरी के दौरान ही बिताया. उन्होंने कहा, शहम एक दूसरे से शादी के बाद तीन महीने तक मिल नहीं पाए. हम बस फोन पर बातें करते थे. ये यूनिवर्स का इशारा था कि अब तुम्हें घर पर साथ रहने का मौका मिलेगा. इस दौरान हमने अपना अब तक का सबसे ज्यादा वक्त एक साथ स्पेंड किया. ये एक्सपीरियंस अजीब लेकिन शानदार रहा. क्योंकि मुझे ज्ञ–ड्रामा पसंद है और वो सीरियस शो देखते हैं. हालांकि मैंने उन्हें ज्ञ–ड्रामा का शौकीन बना दिया है.श विजय और मैंने सबसे ज्यादा...श हिप इंजरी में घर पर कैसे बीता रश्मिका मंदाना का वक्त? खोला बड़ा राज कैसे लगी चोट, डॉक्टर्स ने क्या कहा? रश्मिका ने अपनी हिप इंजरी पर बताया, शएक गाना शूट करते वक्त मेरे हिप बोन का टेंडन टूट गया था. हालांकि मैंने शूटिंग नहीं छोड़ी. इसके बाद मैं अगले दिन हॉस्पिटल गई और डत्प् करवाया. लेकिन, डॉक्टर मुझे देखर हैरान थे कि मैं अकेले अस्पताल आ गई थी. उन्होंने बताया था कि पेन रिसेप्टर्स (दर्द महसूस करने वाले अंग) ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं.श रश्मिका के पास हैं तीन फिल्में रश्मिका के पास इन दिनों तीन फिल्में हैं. एक का नाम है शराणाबालीश. ये फिल्म अक्टूबर में रिलीज होगी, जिसमें वो विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी. एक्ट्रेस ने बताया कि वो इसकी शूटिंग फिर से शुरू कर रही हैं।

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने हाल ही में सैफ अली खान से अपने पारिवारिक रिश्ते को लेकर बात की। दरअसल, सैफ शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' के को–स्टार अक्षय कुमार के साथ पहुंचे थे। शो के प्रोमो में अमिताभ ने सैफ से कहा, "बहुत से लोगों को नहीं पता कि ये हमारे रिश्ते में हैं।" यह सुनकर सैफ हैरान हुए और उन्होंने पूछा, "मैं?" अमिताभ ने इसके बाद कपूर और नंदा परिवार के जरिए दोनों परिवारों के जुड़ाव की जानकारी दी। शो पर अमिताभ ने यह कनेक्शन समझाते हुए कहा, "राज कपूर की बेटी रितु का बेटा निखिल मेरी बेटी श्वेता से शादीशुदा है।" इसके बाद अमिताभ ने मजाकिया अंदाज में सैफ से पूछा कि करीना उन्हें क्या कहेंगी? इस पर सैफ ने कहा कि भगवान का शुक्र है कि यह सवाल शो में नहीं है। कपूर–नंदा परिवार से जुड़ा रिश्ता अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन की शादी निखिल नंदा से हुई है। निखिल की मां रितु नंदा, फिल्ममेकर राज कपूर की बेटी हैं। राज कपूर, करीना कपूर के दादा थे। करीना राज कपूर के बड़े बेटे रणधीर कपूर की बेटी हैं। इस वजह से निखिल नंदा और करीना कपूर कजिन हैं। सैफ अली खान की शादी करीना से हुई है, इसलिए बच्चन परिवार से उनका सीधा रिश्ता ।(जैसे चाचा–भतीजी, मामा–भांजी आदि) नहीं है, बल्कि शादी के जरिए जुड़ा है। अमिताभ बच्चन और करीना साथ कर चुके हैं काम अमिताभ बच्चन और करीना कपूर ने 'कभी खुशी कभी गम' (2001), 'देव' (2004) और 'सत्याग्रह' (2013) जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। वहीं, अमिताभ ने सैफ अली खान के साथ

'एकलव्यरू द रॉयल गार्ड' (2007) और 'आरक्षण' (2011) में भी स्क्रीन शेयर की है। सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी 'हैवान' में नजर आएंगे।

नाश्ते में हेल्दी क्या बनाएं? शेफ पंकज ने शेयर की प्रोटीन से भरपूर 7 रेसिपी, बनाने में हैं आसान!

❍ रोज-रोज नाश्ते में क्या बनाएं जो हेल्दी भी हो और टेस्टी भी? अगर आप भी कन्फ्यूज रहते हैं तो शेफ पंकज की बताई ये 7 डिशेज ट्राई कर सकते हैं। ये प्रोटीन से भरपूर हैं, खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं और बेस्ट बात है कि इन्हें बनाने में भी ज्यादा टाइम नहीं लगेगा।

ब्रेकफास्ट यानी सुबह का नाश्ता दिन की सबसे जरूरी मील में से एक माना जाता है। इसलिए हेल्थ एक्सपर्ट्स भी अक्सर प्रोटीन रिच और हेल्दी नाश्ता करने की सलाह देते हैं। लेकिन अक्सर समझ ही नहीं आता कि रोज–रोज नया क्या बनाएं। वही बेसन का चीला, ऑमलेट जैसे कुछ गिने–चुने ऑप्शन ही समझ आते हैं। आपके इसी काम को आसान बनाने के लिए आज हम आपके साथ शेफ पंकज के बताए हुए 7 प्रोटीन रिच ब्रेकफास्ट ऑप्शन की लिस्ट शेयर कर रहे हैं। ये सबसे नाश्ते फटाफट बन जाते हैं और खाने में भी बहुत टेस्टी हैं। बच्चे अक्सर हेल्दी नाश्ता देखकर मुंह बनाते हैं तो ये डिशेज एक बार जरूर ट्राई कर के देखें। तो चलिए फटाफट से जान लेते हैं शेफ के बताए हुए ब्रेकफास्ट ऑप्शन्स की लिस्ट।

प्रोटीन और स्वाद से भरपूर हैं ये 7 नाश्ते

यूनिक पनीर चीज चीला बनाएं

कुछ टेस्टी और हेल्दी खाना है तो पनीर चीज चीला ट्राई करें। इसे बनाने के लिए पनीर को कद्दूकस कर लें, फिर इसे तवे पर गोल–गोल फैला लें। तवे को गैस पर चढ़ाएं और ध ीमी फ्लेम पर कुक होने दें। इसे एक साइड से गोल्डन होने तक पकने दें। तब तक एक स्टफिंग बनाकर तैयार करें। इसके लिए एवोकाडो, उबले हुए मटर, नमक, काली मिर्च पाउडर को मिक्सर में पीस लें। इस स्टफिंग को पनीर चीला पर डालें, साथ में चीज और टमाटर की टॉपिंग्स एड करें।

लेंटिल बन्स और हाई प्रोटीन डिप

लेंटिल बन्स बनाने के लिए भिगोकर रखी हुई लाल मसूर की दाल मिक्सर में डालें, साथ में ईसबगोल, नमक, ऑलिव ऑयल, दही, बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर और नींबू का रस डालकर ग्राइंड कर लें। इन्हें बन की शेप दें और बीच में एक होल जरूर बना दें। प्री हीटेड ओवन में 190□ पर 12 मिनट के लिए कुक कर लें। हाई प्रोटीन डिप बनाने के लिए पनीर, दही, नमक, लाल मिर्च पाउडर, लहसुन, ऑलिव ऑयल और नींबू के रस को ब्लेंड कर लें।

हाई प्रोटीन तोफू भुर्जी

एक पैन में तेल गर्म करें, थोड़ा सा जीरा, कटा हुआ अदरक, हरी मिर्च, लहसुन, प्याज को गोल्डन होने तक भून लें। फिर नमक, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर, काली मिर्च जैसे मसाले एड करें। अब कटे हुए टमाटर और क्रम्बल किया हुआ तोफू डालें और 3–4 मिनट के लिए हाई फ्लेम पर पकने दें। लास्ट में गरम मसाला और फ्रेश हरा धनिया पत्ता एड करें। इसे आप पराठे, रोटी या ब्रेड के साथ एंजॉय कर सकते हैं।

प्रोटीन से भरपूर मूंगलेट

हाई प्रोटीन मूंग लेट बनाने के लिए भिगोकर रखी हुई मूंग दाल को मिक्सर में डालें (बिना पानी के)। साथ में हरी मिर्च, अदरक, नमक डालकर एक पेस्ट बना लें। अब इस बैटर में कटी हुई प्याज, गाजर, एक चम्मच ईनो और हल्दी पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स करें। पैन में बटर डालें, 4 चमचे भरकर बैटर डालें और ढककर 5–6 मिनट के लिए पकने दें। जबतक ये नीचे से गोल्डन ब्राउन नहीं हो जाता।

क्विनोआ उपमा

क्विनोआ को धोने के बाद पैन में दो चम्मच तेल गर्म करें। इसमें आधा चम्मच उड़द दाल, चना दाल, राई के दाने डालकर चटका लें। साथ में सूखी लाल मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, मूंगफली, काजू और करी पत्ता डालकर भून लें। इसके बाद कटी हुई गाजर, बींस और हरी मटर मिलाएं, साथ में क्विनोआ एड करें और 2–3 मिनट के लिए भून लें। अब इसमें पानी मिलाएं और नमक, हल्दी डालकर ढक दें और तब तक पकाएं जबतक क्विनोआ अच्छे से पक नहीं जाता।

नाश्ते में बनाएं बेसन चीला बरीटो

एक बाउल में बेसन लें, उसमें हल्दी पाउडर, नमक और पानी डालकर बैटर तैयार कर लें। इसे 5 मिनट के लिए रेस्ट करने दें, तब तक पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें, इसमें लहसुन, चिली फ्लेक्स, उबले हुए चावल और हरा धनिया डालकर टॉस कर लें। इसके बाद राजमा की फिलिंग तैयार करें। इसके लिए तेल में लहसुन, प्याज, उबले हुए राजमा, लाल मिर्च, नमक, काली मिर्च पाउडर और टमाटर की प्यूरी डालकर पका लें। लास्ट में ऑरिगेनो, हरा धनिया और ऑरिगेनो डालें और ठंडा होने का वेट करें। अब बेसन का चीला बनाएं और ये राजमा और चावल की फिलिंग डालकर बरीटो तैयार कर लें।

प्रोटीन से भरपूर सोया कबाब

उबली हुई सोयाबीन और छोले को मिक्सर में डालकर बिना पानी के एक पेस्ट बना लें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, गरम मसाला, नमक, कटा हुआ अदरक, हरी मिर्च, लहसुन और ब्रेड क्रंब्स डालकर मिक्स कर लें। इन्हें कबाब का शेप दें और दो चम्मच तेल में गोल्डन और क्रिस्पी होने तक सेंक लें।

फैटी लिवर को कंट्रोल करने में मदद कर सकती हैं ये 5 सब्जियां, जानें इनके फायदे

❍ फैटी लिवर की समस्या आजकल आम हो चुकी है और हर दूसरा व्यक्ति इससे जूझ रहा है। इससे निपटने के लिए सही डाइट लेना जरूरी है। गैस्ट्रो डॉक्टर ने 5 ऐसी सब्जियों के फायदे बताए हैं, जो फैटी लिवर में फायदेमंद हैं।

आजकल की खराब लाइफस्टाइल, खान–पान में गड़बड़ी और नींद की कमी के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। डायबिटीज और फैटी लिवर भी इन्हीं समस्याओं में शामिल हैं। ऐसे में लोग अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करके सेहत को बेहतर रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगर आप फैटी लिवर की समस्या से जूझ रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। डाइट में कुछ हेल्दी चीजों को शामिल करने और कुछ चीजों से परहेज करने से लिवर की सेहत को बेहतर रखने में मदद मिल सकती है। बेंगलुरु गैस्ट्रो सेंटर के डॉक्टर योगानंदा रेड्डी ने कुछ सब्जियों के बारे में बताया है, जो फैटी लिवर में फायदेमंद होती हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने से आपका स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है।

क्या होता है फैटी लिवर?

फैटी लिवर एक ऐसी स्थिति है, जिसमें लिवर की कोशिकाओं में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने लगता है। सामान्य तौर पर लिवर में थोड़ी मात्रा में फैट होना नॉर्मल है, लेकिन जब यह मात्रा बढ़ जाती है, तो इसे फैटी लिवर कहा जाता है। ऐसा अक्सर मोटापा, खराब लाइफस्टाइल, तला भुना ज्यादा खाने से होता है।

कौन सी 5 सब्जियों को डाइट में करें शामिल

1. पालक

पालक में फाइबर, आयरन, फोलेट, विटामिन A, विटामिन C, विटामिन K, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे तत्व होते हैं। इन्हें आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं और इससे फैटी लिवर के साथ मेटाबॉलिक हेल्थ को भी सपोर्ट मिलता है।

ब्रोकली फाइबर से भरपूर सब्जी होती है और कैलोरी में बिल्कुल कम। अगर आप इसे डाइट में शामिल करेंगे, तो पेट लंबे समय तक भरा रहेगा। फैटी लिवर होने पर मेटाबॉलिक हेल्थ को सुधारने के लिए आप ब्रोकली खाएँ। ब्रोकली में फाइबर, विटामिन C, विटामिन K, फोलेट, पोटैशियम और कैल्शियम जैसे तत्व होते हैं।

ब्रुसेल स्प्राउट्स में फाइबर, विटामिन C, विटामिन K, फोलेट, पोटैशियम और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह भी क्रूसीफेरस सब्जियों में शामिल हैं। अगर अपनी डाइट को आप फाइबर रिच बनाना चाहते हैं, तो इसे जरूर खाएं। इसे खाने से फैटी लिवर को सही करे में सपोर्ट मिलता है।

गाजर में फाइबर और बीटा–कैरोटीन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसे सलाद, सब्जी या अन्य हेल्दी तरीकों से आप डाइट में शामिल कर सकते हैं। फैटी लिवर होने पर आपको डाइट को काफी बैलेंस रखना पड़ता है, जिसमें गाजर आपकी हेल्प कर सकती हैं। गाजर को सलाद या फिर ऐसे ही खा सकते हैं।

लौकी में पानी की मात्रा अधिक और कैलोरी कम होती है। इसमें फाइबर, विटामिन C, पोटैशियम और कुछ अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। तो वहीं करेला फोलेट, पोटैशियम और कई प्लांट कंपाउंड होते हैं। इन दोनों सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाकर आप मेटाबॉलिक हेल्थ को सपोर्ट दे सकते हैं।

टमाटर के बीज से किडनी में पथरी बनती है? इन्हें निकालें या नहीं, न्यूट्रीशनिस्ट से समझें पूरी बात!

❍ आपने कई लोगों से सुना होगा कि टमाटर के छोटे और सख्त बीज किडनी में पथरी बनाते हैं। ऐसे में कई लोग इन्हें निकालने के बाद ही टमाटर खाते हैं। अब सवाल है कि क्या इस बात में वाकई सच्चाई है? आइए जानते हैं इसपर न्यूट्रीशनिस्ट की क्या राय है।

टमाटर का इस्तेमाल इंडियन किचन में भर–भर के होता है। सब्जी में डालने से ले कर सूप, चटनी, सलाद तक, रोजाना टमाटर तो हम खा लेते हैं। लेकिन टमाटर को ले कर एक बात खूब कही जाती है। खासकर सोशल मीडिया पर अक्सर आपको लोग कहते हुए मिल जाएंगे कि टमाटर के बीज खाने से किडनी में पथरी होने का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसा कहा जाता है कि टमाटर के छोटे और सख्त बीजों में ऑक्सलेट मौजूद होता है, जो किडनी स्टोन का कारण बन सकता है। यही वजह है कि कई लोग टमाटर की सलाद से परहेज करते हैं और सब्जी में भी बीज निकालने के बाद ही टमाटर डालते हैं। लेकिन क्या इस बात में सच्चाई है भी या नहीं? हेल्थ एक्सपर्ट्स का इसपर क्या कहना है? आइए जानते हैं।

क्या टमाटर के बीज खाने से किडनी में पथरी होती है?

ऐसा कहा जाता है कि टमाटर के बीजों में ऑक्सलेट पाया जाता है, जो किडनी में पथरी का कारण बन सकता है। इस बारे में जानी–मानी न्यूट्रीशनिस्ट लीमा महाजन बताती हैं कि सिर्फ बीज की नहीं, टमाटर के गूदे में भी ऑक्सलेट मौजूद होते हैं। इसलिए बीज निकालकर ये टमाटर को पूरी तरह ऑक्सलेट–फ्री कहना ठीक नहीं होगा। हालांकि एक मीडियम साइज के टमाटर में केवल 5–7 ग्राम ऑक्सलेट पाया जाता है, जो एक कप पालक से बहुत कम है।

स्टोन बनने से रोक सकता है टमाटर में मौजूद सिट्रेट

न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि टमाटर में सिट्रेट मौजूद होता है, जो पथरी को बनने से रोकने में मदद कर सकता है। दरअसल सिट्रेट, यूरिन में कैल्शियम के साथ बंध सकता है। इससे कैल्शियम और ऑक्सलेट के आपस में जुड़कर कैल्शियम ऑक्सलेट क्रिस्टल बनाने, उनके बढ़ने और एक दूसरे से बाइंड होने की प्रक्रिया कम हो सकती है। यही वजह है कि पर्याप्त सिट्रेट का सेवन कुछ लोगों में कैल्शियम ऑक्सलेट स्टोन बनने की प्रक्रिया को ध ीमा कर सकता है।

किडनी में पथरी होने की टेंशन है तो ये करें

अगर आपको किडनी में पथरी होने का डर है तो कैल्शियम रिच या ऑक्सलेट रिच फूड्स को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं है। न्यूट्रीशनिस्ट कहती हैं कि आप कैल्शियम और ऑक्सलेट रिच फूड्स को एक साथ, एक ही मील में पेयर कर सकते हैं। ऐसा करने से ऑक्सलेट की कम मात्रा आपके शरीर में एब्जॉर्ब होगी और ये किडनी तक भी कम पहुंच पाएंगे। इसके अलावा आप दिनभर में पानी की मात्रा भी बढ़ा सकते हैं।

टमाटर को डाइट से बाहर करना जरूरी नहीं

अंत में न्यूट्रीशनिस्ट यही सलाह देती हैं कि किडनी में पथरी के डर से टमाटर को पूरी तरह बंद कर देना या उसके बीज निकालकर खाना सही नहीं है। इसकी जगह अपनी ओवरऑल डाइट, हाइड्रेशन, सोडियम इंटेक, और कैल्शियम इंटेक का ध्यान रखें। इसके साथ ही ये भी ध्यान रखें कि टमाटर किडनी स्टोन का इलाज नहीं है। लेकिन सिर्फ ऑक्सलेट होने की वजह से अगर आप इन्हें खाने से बचते हैं, तो ये करना बंद करें।

पितृपक्ष में गया जा रहे हैं? कहां करें पिंडदान और कहां ठहरें, जरूरी जानकारी यहां

❍ पितृपक्ष में गया जाने की तैयारी कर रहे हैं? यात्रा से पहले जान लें मेले की तारीख, पहुंचने का आसान तरीका, कहां ठहरना ठीक रहेगा और गया में किन खास जगहों पर पिंडदान किया जाता है।

पितृपक्ष के दौरान गया में देशभर से लोग अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान और पूजा करने पहुंचते हैं। 2026 में गया में पितृपक्ष मेला सितंबर के आखिर से अक्टूबर की शुरुआत तक चलेगा। जिला प्रशासन की सूचना में 25 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक मेले की जानकारी दी गई है। अगर पहली बार गया जा रहे हैं, तो सिर्फ पिंडदान की जगहों की जानकारी रखना काफी नहीं है। भीड़ को देखते हुए रहने और आने–जाने की योजना पहले बना लेना आपकी यात्रा को काफी आसान कर सकता है।

गया कैसे पहुंचें?

ट्रेन से : गया पहुंचने का सबसे आसान तरीका ट्रेन है। गया रेलवे स्टेशन देश के कई बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है। दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, लखनऊ और दूसरे शहरों से यहां ट्रेनें मिलती हैं। दिल्ली से भी सीधी ट्रेनें चलती हैं।

हवाई जहाज से : गया में अपना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। दिल्ली समेत कुछ शहरों से सीधी उड़ानें मिलती हैं। अगर आपकी सीधी उड़ान न मिले तो पटना पहुंचकर वहां से सड़क या ट्रेन के रास्ते गया जा सकते हैं।

सड़क से : गया सड़क के रास्ते भी अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। पटना से गया की दूरी करीब 120 किलोमीटर है। आसपास के शहरों से बस, टैक्सी या अपनी गाड़ी से भी पहुंच सकते हैं।

गया में कहां ठहरें?

पितृपक्ष में गया में काफी भीड़ रहती है, इसलिए आखिरी समय तक रुकने की जगह ढूंढने के बजाय पहले से बुकिंग करना बेहतर रहेगा।

अगर आपका मुख्य काम पिंडदान है, तो विष्णुपद मंदिर और चांदचौरा के आसपास रुकना सुविधाजनक हो सकता है। यहां से कई प्रमुख पिंडदान वाली जगहों तक पहुंचना आसान रहता है।

वहीं, अगर आप रेलवे स्टेशन के पास रुकना चाहते हैं तो स्टेशन के आसपास के होटल और ठहरने की जगहें देख सकते हैं। परिवार के साथ जा रहे हैं तो ऐसी जगह चुनें जहां आने–जाने की सुविधा आसानी से मिल सके।

पिंडदान के लिए जाने वालों के लिए मंदिर और पूजा वाली जगहों के आसपास रुकने का एक फायदा यह भी है कि सुबह जल्दी निकलना आसान रहता है।

गमले में लगाएं नींबू का पौधा, सीखिए लगाने का आसान तरीका और जल्दी बढ़ाने की ट्रिक

❍ अधिकतर लोग किचन गार्डन में रोजाना इस्तेमाल होने वाली सब्जियों को उगाना पसंद करते हैं। ऐसे में यहां हम आसानी से नींबू का पौधा लगाने का तरीका बता रहे हैं। इसके साथ ही इस पौधे को बढ़ाने की ट्रिक भी आर्टिकल में जानिए।

नेचर लवर्स अपने घर में तरह–तरह के पौधों को लगाना पसंद करते हैं। बालकनी में लगे हरे भरे पौधों दिखने में काफी सुंदर लगते हैं। आमतौर पर लोग अपने घरों में छोटा किचन गार्डन भी बनाना पसंद करते हैं। इस गार्डन में वह रोजाना इस्तेमाल होने वाली सब्जियों को लगाते हैं। आप भी अपने किचन गार्डन में उन रोजाना इस्तेमाल होने वाली सब्जियों को लगा सकते हैं जो आसानी से गमलों में उगाई जा सकती हैं। हरा धनिया, पुदीना, मिर्ची के अलावा आप घर पर नींबू भी उगा सकते हैं। यहां हम गमले में नींबू लगाने का आसान तरीका बता रहे हैं और इसके अलावा इसे पौधे को अच्छे से बढ़ाने की ट्रिक भी बता रहे हैं। जानिए–

गमले में कैसे लगाएं नींबू का पौधा

गमले में नींबू का पौधा लगाने के लिए सबसे पहले एक सही गमले को चुनें। नींबू का पौधा लगाने के लिए आपको कम से कम 14 से 18 इंच या इससे बड़ा गमला लें। अगर बालकनी में जगह है तो आप ग्रो बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

फिर मिट्टी का मिक्स तैयार करें। इस पौधे के लिए 40 परसेंट मिट्टी, 40 परसेंट पुरानी गोबर की खाद या वर्मी कंपोस्ट और 20 परसेंट रेत लें। इसे मिलाकर अच्छी उपजाऊ मिट्टी तैयार करें। मिट्टी में एक मुट्ठी नीमखली भी मिला लें

नींबू पौधा लगाने के लिए एक पके हुए नींबू को काटकर उसके अंदर से मोटे और हेल्दी बीज बाहर निकालें। फिर बीजों पर लगे गूदे को साफ करने के लिए उन्हें पानी से अच्छी तरह धो लें।

फिर उंगली की मदद से मिट्टी में लगभग आधा इंच गहरा छोटा सा गड्ढा करें और बीज को उस गड्ढे में रखकर ऊपर से हल्की मिट्टी से ढक दें। फिर पानी का छिड़काव करें ताकि मिट्टी में नमी बनी रहे। जब तक बीज अंकुरित न हो, मिट्टी को सूखने न दें और उसमें लगातार नमी बनाए रखें।

बीज दबाने के बाद गमले को हल्की धूप या किसी शेड के नीचे रखें जहां से धूप मिलती रहे। लगभग 10 से 15 दिनों में बीज अंकुरित होकर बाहर आ जाता है। यदि एक बीज से दो पौधे निकलें, तो बड़े होने पर एक हेल्दी पौधा रखकर दूसरे को काट दें या फिर दूसरे गमले में लगा दें।

संक्षिप्त

देश के नौ प्रमुख शहरों में Housing Sales 6% गिरकर 1.03 लाख इकाई पर आई

देश के नौ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री जुलाई–सितंबर तिमाही में छह प्रतिशत घटकर 1.03 लाख इकाई रह गई। रियल एस्टेट के आंकड़ों का अवलोकन करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी घर खरीदने की धारणा को प्रभावित किया है। प्रॉपइक्विटी ने मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, दिल्ली–एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे और कोलकाता के प्राथमिक आवासीय बाजारों के आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई–सितंबर तिमाही में इन नौ शहरों में आवास बिक्री 1,03,170 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,09,420 इकाई थी। समीक्षाधीन तिमाही में नए घरों की आपूर्ति घटकर 98,165 इकाई रह गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,00,330 इकाई की नयी आपूर्ति हुई थी। आमतौर पर जुलाई–सितंबर तिमाही में मानसून के कारण आवासीय बिक्री धीमी रहती है। बारिश के चलते रियल एस्टेट डेवलपर नयी परियोजनाएं शुरू करने से बचते हैं। वहीं, दिसंबर तिमाही में त्योहारी मांग बढ़ने से बिक्री में सुधार आता है। इस मांग का लाभ उठाने के लिए डेवलपर नयी आपूर्ति बढ़ाने के साथ ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन भी देते हैं। इन प्रमुख शहरों में से बेंगलुरु में बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 17,340 इकाई हो गई, जो पिछले साल 17,170 इकाई थी। हैदराबाद में बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 15,470 इकाई रही, जबकि पिछले साल यह 13,890 इकाई थी। मुंबई में आवास बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 9,830 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,690 इकाई थी। मुंबई महानगर क्षेत्र के ठाणे में बिक्री जुलाई–सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत घटकर 16,230 इकाई रही, जबकि नवी मुंबई में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 9,810 इकाई हो गई। पुणे में आवास बिक्री 16 प्रतिशत घटकर 17,860 इकाई रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 21,190 इकाई थी। दिल्ली–एनसीआर में बिक्री 12 प्रतिशत घटकर 8,090 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,230 इकाइयां थीं। चेन्नई में आवास बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 4,680 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल यह 5,640 इकाई थी। कोलकाता में भी आवास बिक्री 17 प्रतिशत घटकर 3,860 इकाई रही, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में 4,640 इकाई थी।

DHL Express नए साल से भारत में माल ढुलाई दरें 8.9 प्रतिशत बढ़ाएगी

लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने शनिवार को कहा कि वह अगले साल एक जनवरी से भारत में माल ढुलाई शुल्क में 8.9 प्रतिशत वृद्धि करेगी। कंपनी के अनुसार यह सालाना शुल्क वृद्धि मुद्रास्फीति के दबाव, मुद्रा में उतार–चढ़ाव और उद्योग–विशिष्ट लागतों में वृद्धि जैसे विभिन्न कारकों के चलते की जाएगी। डीएचएल एक्सप्रेस ने कहा कि 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में परिचालन करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय एकीकृत व्यवसाय के रूप में कंपनी न केवल स्थानीय आर्थिक स्थितियों, बल्कि वैश्विक बाजारों के घटनाक्रमों से भी प्रभावित होती है। डीएचएल एक्सप्रेस के दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर एस सुब्रमण्यन ने कहा, यह वार्षिक मूल्य समायोजन हमें सेवा और विश्वसनीयता के उस उच्च स्तर को बनाए रखने में सक्षम बनाता है, जिसकी हमारे ग्राहक अपेक्षा करते हैं। साथ ही यह हमारे वैश्विक परिचालन के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को भी मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। सुब्रमण्यन ने कहा, हम अपने वैश्विक नेटवर्क, डिजिटल क्षमताओं, सुरक्षा बुनियादी ढांचे और टिकाऊ लॉजिस्टिक समाधानों में निवेश करके अपने ग्राहकों को इस बदलते परिवेश में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी ने बताया कि मुद्रास्फीति के अलावा, उसकी लागत संरचना ऊर्जा खर्च, अनुपालन आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरणों द्वारा लागू किए जाने वाले बदलते सीमा शुल्क से भी लगातार प्रभावित हो रही है।

Prestige Group ने वापस लिया 2,700 करोड़ रुपये का IPO, बाजार की स्थिति को बताया वजह

रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बाजार की अनिश्चित परिस्थितियों और अन्य वजहों का हवाला देते हुए अपने होटल कारोबार के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की योजना को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड की सहायक इकाई प्रेस्टीज हॉस्पिटैलिटी वेंचर्स लिमिटेड (पीएचवीएल) ने आईपीओ लाने के लिए पिछले साल अप्रैल में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा किया था। कंपनी की सार्वजनिक निर्गम के जरिए 2,700 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना थी। इतिहास कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल ने रणनीतिक विचारों और बाजार की अनिश्चित स्थितियों को देखते हुए डीआरएचपी वापस लेने का निर्णय लिया है। पीएचवीएल बाजार की अनुकूल परिस्थितियों, आवश्यक मंजूरियों और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भविष्य में अपने इक्विटी शेयरों के आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष नए सिरे से मसौदा दस्तावेज दाखिल करने पर विचार कर सकती है। इस साल अगस्त में प्रेस्टीज एस्टेट्स ने बताया था कि कनाडा की निवेश फर्म सीपीपीआईबी उसकी आतिथ्य शाखा में 3,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक है। यह प्रमुख शहरों में आवास, कार्यालय, मॉल और होटल विकसित करती है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप मेरा आखिरी होगा

ट्रॉफी जीतने के लिए सब कुछ न्योछावर कर दूंगा, विराट कोहली का बड़ा ऐलान

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपने भविष्य के इरादे स्पष्ट कर दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में आयोजित होने वाला 2027 वनडे वर्ल्ड कप भारतीय जर्सी में उनका आखिरी विश्व कप होगा। तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज़ से पहले कोहली ने साफ कर दिया कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्व विजेता बनाना है, चाहे इसके लिए उन्हें किसी भी हद तक जाना पड़े। कोहली ने तीन मैचों की सीरीज़ से पहले श्रपवैजंत से कहा, ष्मेरे लिए, यह भारत के लिए खेलने वाला आखिरी वर्ल्ड कप होगा। और यही मेरी प्रेरणा है। जैसे, आप जानते हैं, अपना सब कुछ झोंक देना। और ज़ाहिर है, लक्ष्य तो वर्ल्ड कप जीतना ही है। और इसके लिए जो भी करना पड़े, मैं पूरी तरह तैयार हूँ। अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाला 2027 वर्ल्ड कप, कोहली का चौथा वनडे वर्ल्ड कप होगा। 37 वर्षीय खिलाड़ी की ये बातें एक ऐसे वनडे साइकल की शुरुआत में आई हैं जिसमें हर मैच का महत्व बढ़ जाता है। भारत ने वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के लिए अपनी टीम में कोहली और रोहित शर्मा को शामिल किया है, जबकि शुभमन गिल कप्तान बने रहेंगे क्योंकि टीम 2027 के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर रही है। 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के बाद से, उन्होंने 12 वनडे मैचों में 76 की औसत से 760 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। 2025 की शुरुआत से, उनके नाम 64.68 की औसत से 1,035 रन हैं, जबकि उनके पिछले 10 वनडे मैचों में तीन शतक और सात बार पचास या उससे ज़्यादा रन बनाए हैं।

उम्मीदों की चिंता नहीं करेंगे

ये आंकड़े उनके खेलने के तरीके में आए एक साफ़ बदलाव के साथ आए हैं। कोहली ने कहा, सबसे पहले तो बदलाव यह आया है कि मैंने खुद से वादा किया है कि मैं अब और खुलकर खेलूंगा। मैं लोगों की उम्मीदों की चिंता नहीं करूंगा। लंबे समय तक मेरा रोल पारी को संभालने और स्थिरता लाने का रहा है। यह आज़ादी पिछले कुछ IPL सीज़न में साफ़ दिखी है, जहाँ कोहली पहले के मुक़ाबले कहीं ज़्यादा तेज़ी से रन बना रहे हैं। IPL 2026 में, उन्होंने 16 मैचों में 165.85 के स्ट्राइक रेट से 675 रन बनाए। उन्होंने अपनी सबसे तेज़ प्च्स- फ़िफ़्टी भी लगाई और त्थ्ठ को टाइटल बचाने में मदद की। ओपनिंग बैटर के तौर पर खेलने से कोहली को रिस्क लेने की हिम्मत मिली; अब वह आउट होने को अपनी ज़िम्मेदारी निभाने में नाकामी नहीं मानते। उनका कहना है कि उन्होंने यह सीख अपने व्क्प क्रिकेट में भी अपनाई है। इसका मतलब ज़िम्मेदारी छोड़ना नहीं है। बल्कि, कोहली अपने अनुभव का इस्तेमाल करके क्रीज़ पर जमने के बाद ज़्यादा से ज़्यादा असरदार खेलना चाहते हैं। मैं खेल में फ़र्क लाने की कोशिश कर रहा हूँ, ताकि 30–40 रन ज़्यादा बन सकें। मैं ऐसी सोच के साथ खेलना चाहता हूँ कि अगर मैं रिस्क नहीं ले रहा हूँ, तो इसलिए नहीं कि मैं डर रहा हूँ, बल्कि इसलिए कि मैं खुद को ऐसी स्थिति में ला रहा हूँ जहाँ मैं कह सकूँ – ठीक है, अब तेज़ी से रन बनाने का समय आ गया है। कोहली का मानना घ्है कि यह सोच व्क्प गेम में बहुत काम आ सकती है, जहाँ आजकल बहुत ज़्यादा रन बन रहे हैं। खेल का मिज़ाज बदल रहा है। खासकर जब हालात तेज़ और अच्छे हों, और दूसरी टीमें आपको 340–350 रन बनाने के लिए मजबूर कर रही हों, तो हमें भी 350–360 रन बनाने में सक्षम होना चाहिए। अब मैं रिस्क लेने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ क्योंकि मुझे पता है कि अगर मैं उस समय रन बना लूँ, तो हम आसानी से 350–360 तक पहुँच जाएँगे। और अगर मैं ऐसा कर पाता हूँ और ज़्यादा देर तक क्रीज़ पर टिकता हूँ, तो आखिर में और भी तेज़ी से रन बना सकता हूँ। कोहली के लिए यह बदलाव जितना टेक्निकल था, उतना ही मानसिक भी। ष्मुझे अपने मन में उस आज़ादी को थोड़ा महसूस करना था। इससे मुझे प्च्स- में भी मदद मिली।

एशियन गेम्स: नेपाल और अफगानिस्तान क्वार्टर फाइनल में पहुचे

भारत का किससे होगा सामना? जापान का सफर समाप्त

निशिन। एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट ग्रुप ए का आखिरी लीग मुकाबला बारिश की वजह से प्रभावित रहा। नेपाल और जापान के बीच कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेला गया यह मुकाबला बारिश की वजह से ड्रॉ रहा और दोनों टीमों के बीच एक–एक अंक बांट दिए गए। इसके साथ ही जापान एशियन गेम्स से बाहर हो गया। जापान और नेपाल के बीच खेला गया यह मुकाबला बारिश की वजह से बुरी तरह प्रभावित रहा था और इसी वजह से शुरुआत में मैच को 20–20 की जगह 15–15 ओवर का निर्धारित किया गया था, हालांकि इसके बावजूद मैच पूरा नहीं हो सका।

नेपाल की पारी हो गई थी पूरी

मुकाबले की बात करें तो जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। संदीप जोरा के 32 गेंदों पर 3 छक्के और पांच चौकों की मदद से नाबाद 57 रन और लोकेश बाम के 22 गेंदों पर छह छक्कों और 1 चौके की मदद से बनाए गए 52 रन तथा दोनों के बीच 30 गेंदों पर हुई नाबाद 65 रन की साझेदारी का नेपाल को 149 तक पहुंचाने में अहम योगदान रहा। विकेटकीपर–बल्लेबाज आसिफ शेख ने 15 गेंदों पर 1 छक्का और 1 चौका लगाते हुए 21 रन बनाए थे।

दूसरे स्थान पर रहा अफगानिस्तान

नेपाल की पारी की समाप्ति के बाद जापान को 150 रन का लक्ष्य हासिल करना था। जापान की टीम एक रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार हो रही थी, लेकिन बारिश ने एक बार फिर दस्तक दी और जापान की पारी में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। लंबे इंतजार के बाद अंपायरों ने दोनों टीमों के बीच अंक बांटते हुए मैच रद्द कर दिया। ग्रुप ए से शीर्ष पर रहते हुए नेपाल और दूसरे स्थान पर रहते हुए अफगानिस्तान ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है।

भारत के सामने होगा अफगानिस्तान

श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली भारतीय टीम एशियन गेम्स में अपने अभियान की शुरुआत क्वार्टर फाइनल से करेगी। भारत का किससे मुकाबला होगा ये अब तय हो गया है। भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल मैच खेला जाएगा। टी20 प्रारूप में कभी भी अफगानिस्तान भारत को नहीं हरा पाया है। ऐसे में पलड़ा भारत का ही मजबूत है। भारतीय टीम ने हाल ही में तीन मैचों की टी20 सीरीज में अफगानिस्तान को हराया था। अब दोनों टीमें एशियन गेम्स के क्वार्टर फाइनल में एक दूसरे से खेलेंगी।

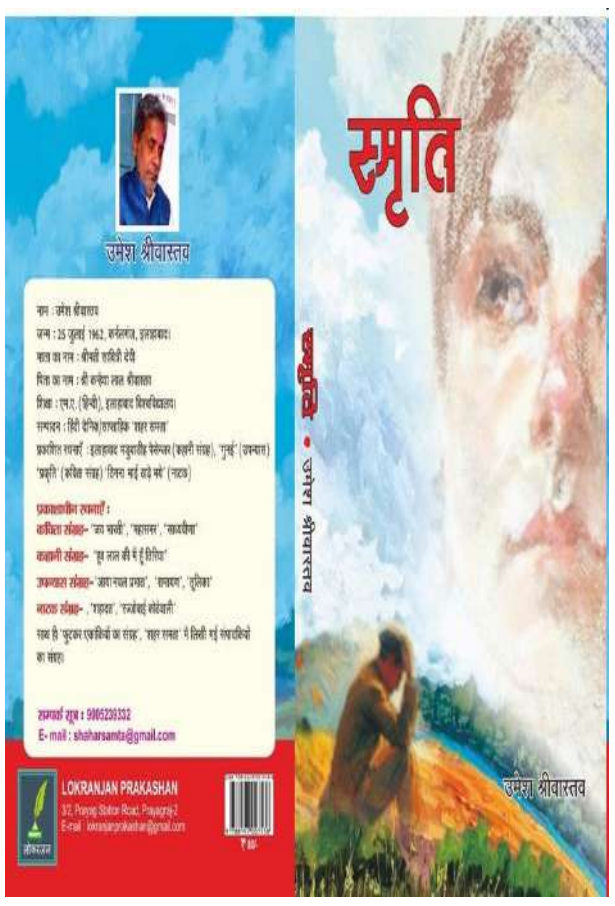

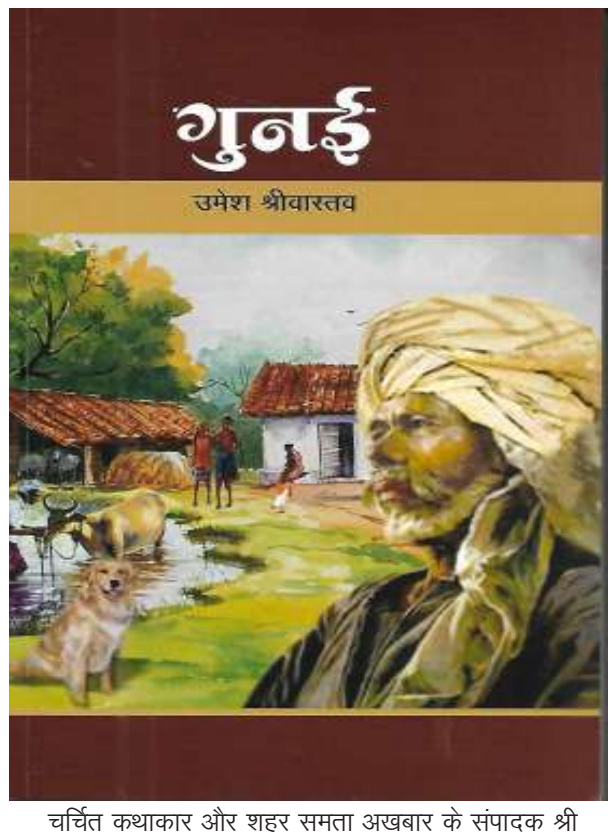

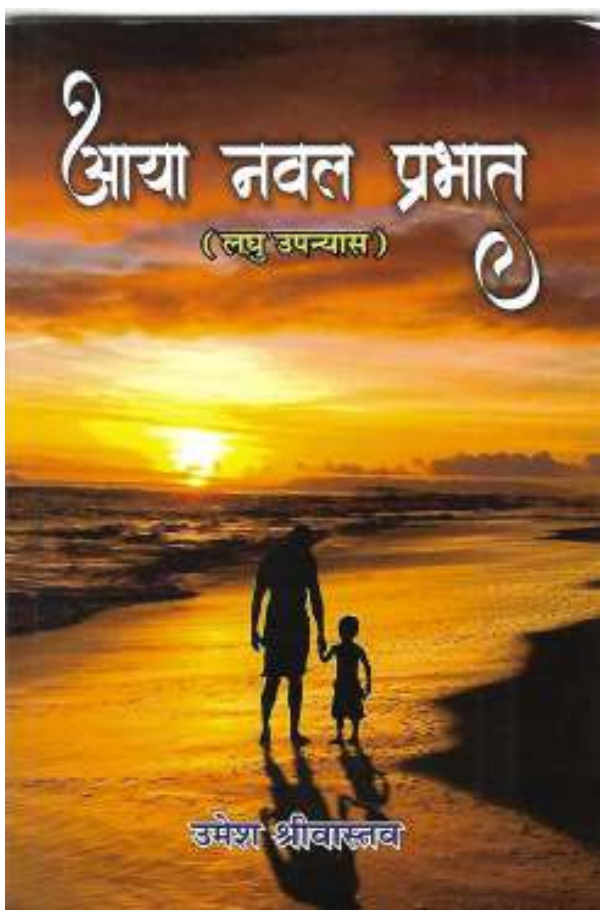

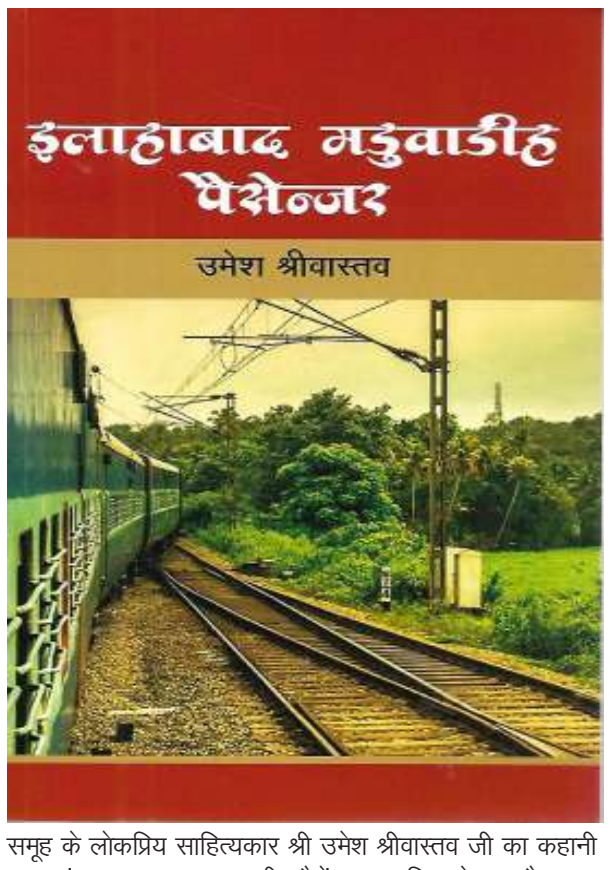

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

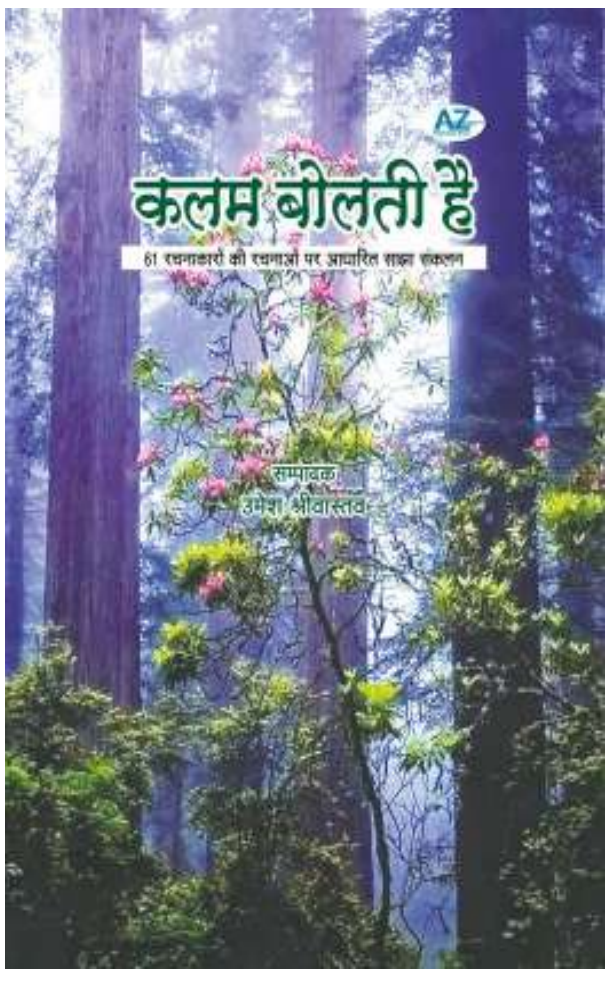

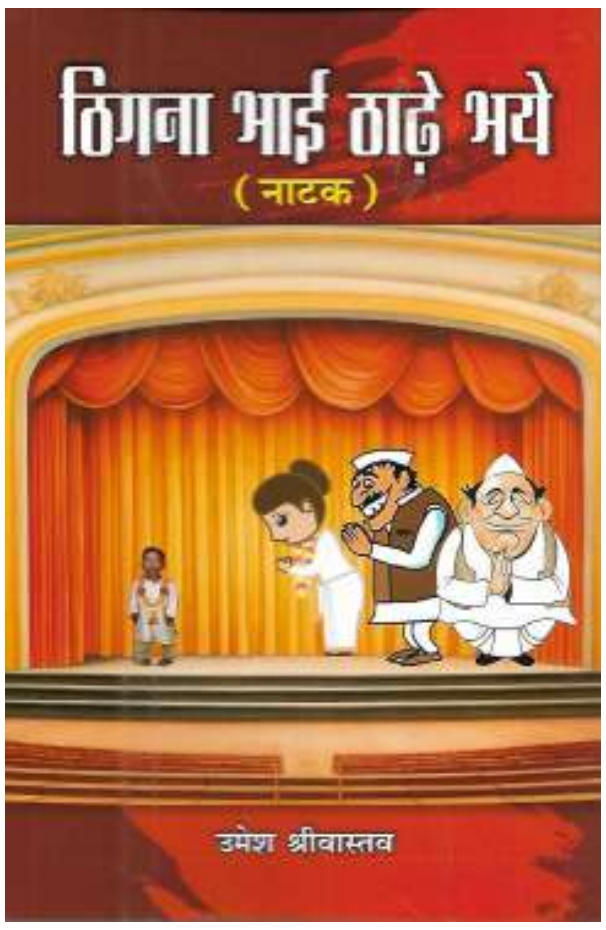

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

इमरान खान की पीटीआई ने टाला इस्लामाबाद मार्च, सुरक्षा पर 1 अरब पाकिस्तानी रुपये खर्च होने का अनुमान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा राजधानी में प्रस्तावित प्रदर्शन रविवार के बजाय चार अक्टूबर को स्थगित किए जाने की घोषणा के मद्देनजर सरकार का सुरक्षा खर्च बढ़ने की संभावना है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पार्टी संस्थापक की रिहाई की मांग को लेकर रविवार यानी 27 सितंबर को इस्लामाबाद तक मार्च निकालने की घोषणा की थी। पूर्व क्रिकेटर से नेता बने 73 वर्षीय खान 2023 से जेल में हैं। भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शन मार्च को रोकने के लिए संघीय सरकार ने सड़कों को अवरुद्ध करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के वास्ते सैकड़ों मालवाहक कंटेनर मंगवाए

थे। पीटीआई ने हालांकि प्रदर्शन चार अक्टूबर तक टाल दिया। इसका मतलब यह हुआ कि संघीय सरकार को प्रदर्शन शुरू होने से पहले एक और सप्ताह तक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखनी होगी। 'डॉन' अखबार ने पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया कि पीटीआई के प्रदर्शन के मद्देनजर राजधानी पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था पर जितनी राशि मांगी थी, वह अब लगभग दोगुनी हो सकती है और सरकारी खजाने पर एक अरब पाकिस्तानी रुपये से अधिक का बोझ पड़ने की संभावना है। पीटीआई द्वारा 27 सितंबर से प्रदर्शन शुरू करने की पहली घोषणा के बाद राजधानी पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी थीं और मालवाहक कंटेनरों के किराये तथा पंजाब एवं सिंध से आने वाले पुलिसकर्मियों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था के लिए 82 करोड़ पाकिस्तानी रुपये मांगे थे। यह राशि एक सप्ताह की व्यवस्था के लिए थी, क्योंकि पुलिस का अनुमान था कि प्रदर्शन और मार्च चार अक्टूबर तक समाप्त हो जाएंगे। अब प्रदर्शन एक सप्ताह टलने के कारण खर्च भी बढ़ने की संभावना है। 'ऑल पाकिस्तान गुड्स अलायंस' के अध्यक्ष निसार हुसैन जाफरी ने कहा कि संगठन ने शुरू में 40 फुट और 20 फुट के कंटेनरों के लिए क्रमशः 40,000 और 20,000 पाकिस्तानी रुपये प्रतिदिन किराये की मांग की थी। बाद में दोनों आकार के कंटेनरों के लिए किराया 30,000 पाकिस्तानी रुपये प्रतिदिन कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पीटीआई द्वारा मार्च टाले जाने के बाद पुलिस से कंटेनरों की आवश्यकता के बारे में पूछा गया, लेकिन अधिकारियों ने अभी यह तय नहीं किया है कि उन्हें अभी रोके रखना है या नहीं। सूत्रों के अनुसार 1,550 कंटेनर का प्रतिदिन किराया 4.65 करोड़ पाकिस्तानी रुपये है। एक सप्ताह का किराया 32.55 करोड़ और दो सप्ताह का 65.1 करोड़ पाकिस्तानी रुपये होगा। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने पंजाब पुलिस से 16,000 और सिंध पुलिस से 2,000 कर्मियों की भी मांग की है। सिंध पुलिस का दस्ता राजधानी पहुंच चुका है। प्रति व्यक्ति तीन वक्त के भोजन का खर्च 600 पाकिस्तानी रुपये है। इस तरह सिंध पुलिस के 2,000 कर्मियों के भोजन पर प्रतिदिन 12 लाख पाकिस्तानी रुपये खर्च हो रहे हैं। एक सप्ताह में यह खर्च 84 लाख और दो सप्ताह में 1.68 करोड़ पाकिस्तानी रुपये होगा। पुलिसकर्मियों को उनके ठहरने के स्थानों से तैनाती वाले क्षेत्रों तक लाने-ले जाने के लिए वाहनों का खर्च भी बढ़ने की संभावना है। पुलिस ने विभिन्न इलाकों के 13 होटल में 246 निरीक्षक, 58 पुलिस उपाधीक्षकों एवं सहायक पुलिस अधीक्षकों, पुलिस अधीक्षकों, 10 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और आठ पुलिस उपमहानिरीक्षकों के लिए 175 कमरे भी बुक किए हैं। इनमें से 11 होटल के 157 कमरे निरीक्षक से लेकर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के लिए बुक किए गए हैं। इन कमरों का प्रतिदिन किराया 7,54,500 पाकिस्तानी रुपये है और एक सप्ताह का किराया 52,81,500 पाकिस्तानी रुपये होगा। सरकार पर दबाव बनाए रखने के लिए पीटीआई ने अपने विकल्प खुले रखे हैं और संभव है कि वह प्रदर्शन की तारीख और भी आगे बढ़ा दे। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए मौजूदा स्तर की सुरक्षा व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। पाकिस्तान के अधिकारियों ने प्रदर्शन मार्च से पहले इस्लामाबाद में दो महीने के लिए सार्वजनिक सभाओं पर बुधवार को प्रतिबंध लगा दिया था।

कांगो विमान दुर्घटना: दो शीर्ष सैन्य अधिकारियों समेत 14 की मौत, किकविट से किंशासा जा रहा था विमान

कांगो में एक विमान दुर्घटना में दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना में मारे गए वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की पहचान सैन्य अदालत के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मुतोम्बो कटालायी तिएंदे और सशस्त्र बलों के 'ऑडिटर जनरल' लेफ्टिनेंट जनरल बाकुमी लिकुलिया के रूप में हुई है। कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने एक बयान में बताया कि

दुर्घटना में इन दोनों अधिकारियों के अलावा चालक दल के सदस्यों समेत 12 अन्य लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, विमान दक्षिण-पश्चिमी शहर किकविट से देश की राजधानी किंशासा लौट रहा था तभी उसमें तकनीकी खराबी आ गई और वह केंगे में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई। एकेंगे ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के निदेशक मंडल के अध्यक्ष ट्राइफॉन किन-किये मुलुम्बा ने बताया कि दुर्घटना के कारण का अभी पता नहीं चला है। कांगो की सेना पिछले साल से देश के पूर्वी क्षेत्र में रवांडा समर्थित विद्रोही समूह एम23 समेत कई विद्रोही संगठनों से लड़ रही है।

डोनाल्ड ट्रंप से इस साल दो और बार मिल सकते हैं शी चिनफिंग, दिया चीन आने का न्योता

अमेरिका के अपने राजकीय दौरे के समापन से पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार और मुलाकात होगी। शी ने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया को नवंबर में चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में आने का निमंत्रण दिया। चीन के राष्ट्रपति ने कहा कि इसके एक महीने बाद फ्लोरिडा में 'ट्रंप नेशनल डोरल मियामी गोल्फ क्लब' में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान उनकी फिर से मुलाकात हो सकती है। शी ने कहा, ''मैं राष्ट्रपति और प्रथम महिला को चीन आने के लिए आमंत्रित करता हूं।'' इस पर ट्रंप ने कहा, ''हम आएंगे और हम काफी बातचीत करेंगे।'' चीनी राष्ट्रपति के दौरे के समापन से पहले ट्रंप उन्हें राष्ट्रीय अभिलेखागार भी ले जाएंगे। ट्रंप दुनिया के सबसे शक्तिशाली साम्यवादी देश के नेता को अमेरिकी लोकतंत्र के महत्वपूर्ण मूल दस्तावेज दिखाएंगे। शी के अमेरिका के राष्ट्रीय अभिलेखागार का दौरा करने के बाद वाशिंगटन से रवाना होने की संभावना है। यहां स्वतंत्रता की घोषणा, संविधान और अधिकार विधेयक जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रखे गए हैं। शी की यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका अपनी स्थापना की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह शी को ''उस गौरवशाली इतिहास के कुछ सबसे महत्वपूर्ण खजाने'' दिखाना चाहते हैं। ट्रंप दंपति ने बृहस्पतिवार रात प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गजों की मौजूदगी में अपने मेहमानों के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया था। दोनों नेताओं ने बृहस्पतिवार को बंद कमरे में 90 मिनट तक बैठक भी की।

बैठक के बाद चीन सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व, यूक्रेन और कोरियाई प्रायद्वीप जैसे मुद्दों पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने इस चर्चा के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है।

यूएनजीए में भारत का शहबाज शरीफ पर पलटवार, पाकिस्तान को कठपुतली शासन बताते हुए दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने पाकिस्तान को एक ''कठपुतली शासन'' करार देते हुए संयुक्त राष्ट्र में उसके ''झूठ'' और ''छल'' पर तीखा प्रहार किया तथा चेतावनी दी कि इस्लामाबाद की ओर से लगातार जारी आतंकवाद के गंभीर परिणाम होंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच पर अपने संबोधन के दौरान एक बार फिर कश्मीर मामले को उठाया और 2025 में भारत के साथ हुए सैन्य संघर्ष को रोकने का श्रेय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ''समय पर हस्तक्षेप'' को दिया। शरीफ के संबोधन के बाद भारत ने शुक्रवार

रात 'जवाब के अपने अधिकार' का इस्तेमाल किया। लोकतांत्रिक अधिकारों और मानवीय मूल्यों पर कुछ पाखंडपूर्ण उपदेश सुने हैं, जिसकी राजधानी को अपने ही लोगों से बचाने के लिए इसी समय किलेबंद किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''और ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि यह सेना का, सेना द्वारा और सेना के लिए शासन है। उसकी कठपुतलियां आती-जाती रह सकती हैं, लेकिन इस बात को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि असल में फैसले कौन करता है। पाकिस्तान की वास्तविकता उसके 27वें संविधान संशोधन और उसके असली शासक को दी गई आजीवन कानूनी छूट से जाहिर होती है।'' गहलोत ने पिछले साल नवंबर में शहबाज शरीफ सरकार द्वारा पारित उस 27वें संविधान संशोधन का उल्लेख करते हुए यह बात की जिसके तहत पाकिस्तान के 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को किसी भी कानूनी मुकदमे से आजीवन छूट दी गई है। उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि यह महासभा पाकिस्तान और उसकी नीतियों को उनके वास्तविक स्वरूप में देखेगी, न कि उस रूप में जैसे उसके प्रतिनिधि झूठे तरीके से पेश करते हैं। साल-दर-साल झूठ दोहराने से वह सच नहीं हो जाता। पाकिस्तान का आतंकवाद, छल और दोहरा रवैया न तो उसके लिए और न ही दुनिया के लिए फायदेमंद होगा।'' शरीफ ने अपने संबोधन में ट्रंप को उनके ''दृढ़तापूर्ण और दूरदर्शी नेतृत्व'' के लिए धन्यवाद देते हुए कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति के ''समय पर हस्तक्षेप'' ने दक्षिण एशिया में करोड़ों लोगों की जान बचाई। शरीफ ने करीब 23 मिनट के अपने संबोधन में कश्मीर मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कश्मीर मुद्दे का न्यायसंगत और निष्पक्ष समाधान जरूरी है कि दक्षिण एशिया फिर कभी 2025 के संघर्ष जैसी स्थिति में न पहुंचे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को याद दिलाया कि शरीफ ने ये ''विचित्र टिप्पणियां'' ऐसे समय में की हैं जब महज दो सप्ताह पहले न्यूयॉर्क और दुनिया ने 11 सितंबर के भीषण आतंकवादी हमले की 25वीं बरसी मनाई थी। गहलोत ने कहा, ''इस संदर्भ को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि उस हमले का मुख्य साजिशकर्ता ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान की सेना की प्रमुख अकादमी के बिल्कुल पास रह रहा था।'' गहलोत ने शरीफ द्वारा कश्मीर मुद्दा उठाए जाने को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

कश्मीर पर आई बात तो भारत ने हिला डाले 57 मुस्लिम देश! PoK पर भी दे दिया अल्टीमेटम

भारत कई मंचों पर दुनिया को यह बता चुका है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत का विभिन्न हिस्सा है और वो हमेशा रहेंगे और अब बात सिर्फ और सिर्फ पीओके पर होगी जिसे पाकिस्तान दशकों से हथिया कर बैठा है। लेकिन फिर भी यह बात कुछ लोगों के दिमाग में नहीं बैठ रही है। पाकिस्तान का पक्ष लेने और कश्मीर पर जहर उगलने के लिए कुछ कट्टरपंथी देश आए दिन नया-नया प्रोपेगेंडा लेकर सामने आ जाते हैं। हालांकि ऐसे देशों को भारत भी मुंहतोड़ जवाब देते हुए उनके सारे षड्यंत्र की हवा निकाल देता है। इस बार भी भारत ने कुछ ऐसा ही किया। जब इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी ने जम्मू कश्मीर को लेकर ज़हर उगला तो भारत ने एक साथ 57 मुस्लिम देशों को तगड़ा सुना डाला और ऐसी नसीहत दी कि सबको हिला कर रख दिया। यही नहीं बल्कि गुस्से में आए भारत ने पाकिस्तान को पीओके खाली करने का अल्टीमेटम दे डाला। दरअसल जिस वक्त न्यूयॉर्क में संयुक्त

राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र चल रहा था तो इसी बीच ओआईसी की बैठक हुई। इस बैठक में ओआईसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि संगठन कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करता है। ओआईसी ने मानव अधिकार और सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही 2019 के बाद भारत की ओर से उठाए गए कदमों को वापस लेने की मांग दोहराई। फिर क्या था? भारत ने ओआईसी को तगड़ा जवाब दे डाला। इस मुद्दे पर भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया कि भारत तथाकथित ओआईसी कॉन्ट्रैक्ट ग्रुप के जम्मू कश्मीर पर संयुक्त विज्ञापति में भारत के संदर्भ में की गई अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत टिप्पणियों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। ओवैसी का उन मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है जो पूरी तरह भारत के आंतरिक मामले हैं। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख के संपूर्ण केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और कभी अलग ना होने वाले अंग हैं। राजनीतिक रूप से प्रेरित दुष्प्रचार को बार-बार दोहराने से यह वास्तविकता नहीं बदल सकती। इस तरह के प्रेज चीजों का बार-बार समर्थन ओवैसी की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। भारत ने कड़े लहजे में कहा कि पाकिस्तान को अपने मनगढ़ंत और प्रेरित दुष्प्रचार के लिए मंच उपलब्ध कराने के बजाय ओवैसी को पाकिस्तान को सलाह देनी चाहिए। तो इस तरह से कश्मीर पर जहर उगलने वाले 57 मुस्लिम देशों के संगठन की भारत ने सारी हेकड़ी निकाल कर रख दी। इधर विदेश मंत्रालय ने कश्मीर के मुद्दे पर ओवैसी को आईना दिखाया तो उधर भारतीय डिप्लोमेट क्षितज त्यागी ने यूएन में पीओके को लेकर पाकिस्तान को अल्टीमेटम दे डाला। कश्मीर और भारत में मुस्लिमों पर पाकिस्तान की ज़हरीली बातों को लेकर शित ने जमकर फटकार लगाई और स्नाबान पर जम्मू कश्मीर के कुछ हिस्सों पर गैरकानूनी कब्जा करने का आरोप लगाया और उसे खाली करने की मांग की। दरअसल कुछ दिनों पहले ही जब अमेरिकी राजदूत सर्जियो गौर ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया था तो उन्होंने वहां की धरती से खड़े होकर ऐलान कर दिया था कि जम्मू कश्मीर भारत का विन अंग रहा है और है और आगे भी रहेगा।

यूएन में नेतन्याहू के सामने बुर्के वाली डिप्लोमैट का तहलका, हिली दुनिया !

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण देने आए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को देख 77 देशों के डिप्लोमेट्स ने वॉकआउट कर दिया। इनमें से ज्यादातर मुस्लिम देश थे। कुछ यूरोपीय और कुछ लैटिन अमेरिकी देश भी थे। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा के हॉल में इजराइल के एक डिप्लोमेट ने खाली पड़ी कुर्सियों के पास जाकर लिस्ट बनानी शुरू कर दी। इजराइल का डिप्लोमेट लिस्ट में उन देशों के नाम लिख रहा था जिन्होंने वॉकआउट किया है ताकि इन देशों से आगे निपटा जाए। अब इस लिस्ट में

जिस-जिस देश का नाम होगा उसके साथ बड़ा कांड होगा। आज नहीं तो उस दिन जब इनका इजराइल से वास्ता पड़ेगा। बहरहाल इसी बीच नेतन्याहू के सामने बुर्का पहनकर बैठी इस डिप्लोमेट ने भयंकर बवाल मचा दिया। बवाल भी ऐसा कि भारत में बैठे मुस्लिम भी परेशान हो गए। इस महिला डिप्लोमेट की वजह से मुस्लिम देशों की टूट सबके सामने आ गई है। वैसे इस महिला डिप्लोमेट के साथ-साथ इस युवा डिप्लोमेट के पीछे भी मुस्लिम पड़ गए हैं। मामला यहीं नहीं रुका। यूएन में इजराइल के राजदूत अचानक ईरानी डिप्लोमेट के पास पहुंच गए और एक होश उड़ा देने वाला ऑफर दे दिया। दरअसल हर मुस्लिम देश ने न नेतन्याहू के भाषण का बहिष्कार किया। लेकिन इस मुस्लिम महिला डिप्लोमेट ने नेतन्याहू के भाषण का बहिष्कार नहीं किया। यह डिप्लोमेट उठकर नहीं गई। इसने नेतन याहू का पूरा भाषण सुना। दरअसल यह है यूएन में संयुक्त अरब अमीरात की डिप्लोमेट। यानी संयुक्त अरब अमीरात ने इजराइल का बहिष्कार नहीं किया। जबकि तुर्की, सऊदी अरब, कतर, ईरान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, स्पेन और आयरलैंड जैसे 77 देश उठकर चले गए। भारत ने भी इजराइल का बहिष्कार नहीं किया। मजे की बात देखिए कि तुर्की और पाकिस्तान के दोस्त अजरबैजान ने भी नेतन्याहू का बहिष्कार नहीं किया। यह युवा डिप्लोमेट अज़र बैजान का ही है। हैरानी की बात देखिए कि अब भारत और दुनिया भर के कई लिबरल और मुस्लिम लोग संयुक्त अरब अमीरात और अज़रान के इन डिप्लोमेट्स को गालियां दे रहे हैं। मगर संयुक्त अरब अमीरात ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने के लिए और फिलिस्तीन के मुद्दे को सुलझाने के लिए इजराइल के साथ बातचीत और सीधे कूटनीतिक संपर्क का रास्ता खुला रखना चाहिए। इजराइल का बहिष्कार करने से कुछ हासिल नहीं होगा। संयुक्त अरब अमीरात की बात बिल्कुल सही है। इसीलिए यह मुस्लिम देश भारत का भी दोस्त है और इजराइल का भी। बहरहाल जो लोग संयुक्त अरब अमीरात और अज़रबैजान को गालियां दे रहे हैं उन पर इजराइल ने और भी ज्यादा नमक छिड़क दिया। दरअसल संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डेनी डेनन एक ईरानी डिप्लोमेट के पास पहुंच गए। डेनी डेनन ने ईरानी डिप्लोमेट को एक सेटेलाइट इंटरनेट डिवाइस देने की कोशिश की।

इजराइयली राजदूत डेनी डेनन ने ईरानी मिशन के सदस्य नासिर असदी को यह डिवाइस देने की कोशिश की। डेनी ने कहा कि इसे अपने साथ तेहरान ले जाओ। यह इंटरनेट डिवाइस आपके बहुत काम आ सकता है। इसके जरिए ईरान के लोगों को आजादी और जानकारी तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन ने दाग दिए दनादन ड्रोन, 3 लोगों की मौत

रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार इलाके में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। स्थानीय टास्क फोर्स का कहना है कि हमले के कारण औद्योगिक इलाकों में आग लग गई थी, जिसे अब बुझा दिया गया है। इससे पहले यूक्रेन की सेना ने बताया था कि यूक्रेनी बलों ने रात के समय क्रास्नोडार में इल्स्की ऑयल रिफाइनरी पर हमला किया।

यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बताया कि इस जगह पर आग लग गई थी; उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी रूस की युद्ध की कोशिशों में मदद करती है। रूस के स्वतंत्र न्यूज़ आउटलेट एस्ट्रा ने दावा किया कि उसने हमले की जगह का पता लगा लिया है और यह हमला इल्स्की ऑयल रिफाइनरी पर हुआ था। एस्ट्रा के पाठकों ने बताया कि हमला आधी रात के आसपास शुरू हुआ। एस्ट्रा ने लिखा कि स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया ग्रुप्स में धमाकों और एयर डिफेंस सिस्टम की आवाज़ें सुनने और रिफाइनरी में आग लगने की पुष्टि की, लेकिन एयर रेड सायरन बजने की खबर दो घंटे बाद ही सामने आई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।